राजस्थान पत्रिका प्रकाशन

चित्रकथा विशेषांक

वर्ष- 28 अंक- 21 15-31 मई, 2014 पृष्ठ- 68

# कमाल का कंघा

अरे! इस तरह ऑफिस आता है कोई...? कम से कम बाल तो बनाकर आते।

सर, मेरे पास कंघा नहीं है।
कल तो तुम्हारे पास एक कंघा था।
था सर...। लेकिन गलती से कंघे का दांत निकल गया।

J.B.C.

तो क्या हुआ। एक दांत निकल गया तो कंघे में तो बहुत सारे दांत होते हैं।

पर, मेरे कंघे में तो एक ही दांत था....सर...।

वर्ष- 28 अंक-21

मई (द्वितीय) 2014, जयपुर

## चित्रकथाएं



## विविध



## कहानी



## प्रतियोगिताएं



संपादकीय सम्पर्क

**बालहंस (पाक्षिक)**
राजस्थान पत्रिका प्रकाशन,
5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र,
जयपुर (राजस्थान) पिन-302 004
दूरभाष: 0141-3005857
e-mail: balhans@epatrika.com

संपादक
आनन्द प्रकाश जोशी

उप संपादक
मनीष कुमार चौधरी

संपादकीय सहयोग
किशन शर्मा

चित्रांकन
प्रतिमा सिंह

पृष्ठ सज्जा: शेरसिंह

फोटो एडिटिंग: संदीप शर्मा

ग्राहक शुल्क

कृपया ग्राहक शुल्क (सब्सक्रिप्शन) की राशि बैंक ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से **बालहंस, जयपुर** के नाम भिजवाएं।
वार्षिक- 240/-रुपए
अर्द्धवार्षिक- 120/-रुपए

सब्सक्रिप्शन एवं वितरण संबंधी जानकारी के लिए 0141-3005825 पर संपर्क करें।

चित्रकथा विशेषांक

## संपादकीय

**दोस्तो,**

चित्रकथाओं का अपना स्वप्निल संसार होता है। ये आपको ऐसी काल्पनिक दुनिया में ले जाती हैं, जहां चित्र कहानी को बयान करते हैं। कॉमिक्स का मूल तत्त्व इनकी रोचकता है। अपने मनपसंद कैरेक्टर के कारनामे पढ़ते-पढ़ते वक्त कब निकल जाता है, पता ही नहीं चलता। हालांकि बदलते जमाने के साथ आज कॉमिक्स का स्वरूप भी बदल गया है और कॉमिक कैरेक्टर्स किताबों से निकलकर बड़े और छोटे पर्दे पर भी आ गए हैं। पर इस क्षेत्र में प्रयोग भी खूब हो रहे हैं। चूंकि बच्चे इनके पात्रों के साथ जल्दी जुड़ जाते हैं, तो हिस्ट्री-माइथोलॉजी से जोड़ने के साथ-साथ कॉमिक्स की थीम को सोशल प्रॉब्लम्स-सॉल्यूशंस से भी जोड़ा जा रहा है। यह सही है कि कॉमिक पढ़ने की आदत पहले जैसी नहीं रही। एंटरटेनमेंट के कई दूसरे माध्यम आ जाने से बच्चों में कॉमिक्स पढ़ने का उतना क्रेज नहीं रहा, जो एक समय रहा करता था। फ्लैश गार्डन, मेंड्रेक, लोथार, फेंटम जैसे विदेशी पात्र और चाचा चौधरी, साबू जैसे देसी पात्र आज तक बच्चे क्या बड़ों की जुबान पर हैं। चित्रकथाओं की महत्ता और बच्चों की उनमें रुचि को देखते हुए हम अक्सर चित्रकथाओं का प्रकाशन करते रहते हैं। इस बार हम चित्रकथा विशेषांक लेकर आये हैं, आपकी गर्मी की छुट्टियों का मजा दुगुना करने के लिये।

**तुम्हारा बालहंस**

# उड़ा तो बिगड़ा

राजा पीपलेश अपने मंत्री के साथ शाही बाग में घूम रहे थे।
अरे! वाह!

बगुला मेरा ध्यान बार-बार अपनी ओर खींच रहा है।
हां, महाराज!

महाराज, मैं इसे अभी पकड़ कर, पकवाता हूं।
मंत्रीजी! मेरा यह मतलब नहीं है।

मेरी इच्छा है कि मैं भी उसकी तरह आकाश में ऊंचा उड़ूं।
महाराज, सावधानी से...!

मंत्रीजी! मैं भी उसकी तरह ही उड़ना चाहता हूं। इसकी तुरंत व्यवस्था करो।
मंत्री ने तुरंत ही प्रधान मूर्तिकार को बुलाया।
मूर्तिकारजी, हमारे राजा की उड़ने की इच्छा है।
क्या...! यह तो बहुत ही खतरनाक इच्छा है।
मैं कुछ नहीं जानता। तुम या तो उड़ने वाला घोड़ा बनाओ या फिर अपना सिर कटवाने के लिए तैयार रहो।
ठीक है, मैं प्रयास करता हूं...
मूर्तिकार ने घोड़ा बनाना शुरू किया।
ये लो, घोड़े के पंख भी लगा दिये। अब घोड़ा उड़ने के लिए तैयार है...
वाह! बहुत बढ़िया!!

राजा उछलकर घोड़े पर बैठ गया।

अब क्या करूं...?

महाराज! घोड़े का दाहिना कान खींचो, इसके बाद घोड़ा उड़ने लगेगा। लेकिन...

हा...हा...अब उड़ रहा है...लेकिन...

हूश्श्श...

J.B.C.

लेकिन...मैं घोड़े के बायें कान में नीचे उतारने के लिए चाबी लगाना भूल गया।

क्या...!? तुमने धोखा किया!! तुम क्रूर हो...!! अरे...नहीं...बचाओ...

*सीख– जो संभव न हो, उसके पीछे भागने से अंततः पछताना पड़ता है।*

(समाप्त)

सुंदर सागर के कुछ वालरस गेंद से खेलने में मशगूल थे।

...पास ही छिपा मगरमच्छ मन ही मन उन पर हमले की योजना बना रहा था।

मगरमच्छ फुर्ती से उनकी ओर लपका। मगरमच्छ की शक्ति और फुर्ती के आगे बेचारे वालरस बेबस नजर आ रहे थे।

वालरसों को डरकर भागते हुए पास तैरता ओक्टो भी देख रहा था।

ओक्टो ने साहस दिखलाते हुए खतरनाक मगरमच्छ को ललकारा। गुस्से से मगरमच्छ ओक्टो की ओर लपका।

जैसे ही मगरमच्छ ओक्टो के पास आया, ओक्टो ने सागर में तैरते लकड़ी के टुकड़े को उसके जबड़े में फंसा दिया।

दुष्ट मगरमच्छ ने ओक्टो के साहस के आगे हार मान ली और दर्द से कराहते हुए वहां से दुम दबाकर भागा।

*सीख– धैर्य, साहस और युक्ति से बड़ी से बड़ी समस्या पर भी विजय पायी जा सकती है।*

(समाप्त)

# ढोंगी सियार

कहानी

**मिथिला** के जंगल में बहुत समय पहले एक सियार रहता था। वह बहुत आलसी था। पेट भरने के लिए खरगोशों व चूहों का पीछा करना व उनका शिकार करना उसे बड़ा भारी लगता था। शिकार करने में परिश्रम तो करना ही पड़ता है। दिमाग उसका शैतानी था। यही तिकड़म लगाता रहता कि कैसे ऐसी जुगत लड़ाई जाए जिससे बिना हाथ-पैर हिलाए भोजन मिलता रहे। बस, खाया और सो गए।

एक दिन उसी सोच में डूबा वह सियार एक झाड़ी में दुबका बैठा था। बाहर चूहों की टोली उछल-कूद व भाग-दौड़ करने में लगी थी। उनमें एक मोटा-सा चूहा था, जिसे दूसरे चूहे 'सरदार' कहकर बुला रहे थे और उसका आदेश मान रहे थे। सियार उन्हें देखता रहा। उसके मुंह से लार टपकती रही। फिर उसके दिमाग में एक तरकीब आई। जब चूहे वहां से गए तो उसने दबे पांव उनका पीछा किया। कुछ ही दूर उन चूहों के बिल थे। सियार वापस लौटा।

दूसरे दिन प्रात: ही वह उन चूहों के बिल के पास जाकर एक टांग पर खड़ा हो गया। उसका मुंह उगते सूरज की ओर था। आंखें बंद थीं। चूहे बिलों से निकले तो सियार को उस अनोखी मुद्रा में खड़े देखकर वे बहुत चकित हुए। एक चूहे ने सियार के जरा निकट जाकर पूछा, 'सियार मामा, तुम इस प्रकार एक टांग पर क्यों खड़े हो?'

सियार एक आंख खोलकर बोला, 'मूर्ख, तूने मेरे बारे में नहीं सुना कभी? मैं चारों टांगें नीचे टिका दूंगा तो धरती मेरा बोझ नहीं संभाल पाएगी। यह डोल जाएगी। साथ ही तुम सब नष्ट हो जाओगे। तुम्हारे ही कल्याण के लिए मुझे एक टांग पर खड़े रहना पड़ता है।' चूहों में खुसर-फुसर हुई। वे सियार के निकट आकर खड़े हो गए।

चूहों के सरदार ने कहा, 'हे महान सियार, हमें अपने बारे में कुछ बताइए।' सियार ने ढोंग रचा, 'मैंने सैंकड़ों वर्ष हिमालय पर्वत पर एक टांग पर खड़े होकर तपस्या की। मेरी तपस्या समाप्त होने पर सभी देवताओं ने मुझ पर फूलों की वर्षा की। भगवान ने प्रकट होकर कहा कि मेरे तप से मेरा भार इतना हो गया हैं कि मैं चारों पैर धरती पर रखूं तो धरती गिरती हुई ब्रह्मांड को तोड़कर दूसरी ओर निकल जाएगी। धरती मेरी कृपा पर ही टिकी रहेगी। तब से मैं एक टांग पर ही खड़ा हूं। मैं नहीं चाहता कि मेरे कारण दूसरे जीवों को कष्ट हो।' सारे चूहों का समूह महा-तपस्वी सियार के सामने हाथ जोड़कर खड़ा हो गया।

एक चूहे ने पूछा, 'तपस्वी मामा, आपने अपना मुंह सूरज की ओर क्यों कर रखा है?' सियार ने उत्तर दिया, 'सूर्य की पूजा के लिए।'

'...और आपका मुंह क्यों खुला है?' दूसरे चूहे ने कहा।

'हवा खाने के लिए! मैं केवल हवा खाकर जिंदा रहता हूं। मुझे खाना खाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे तप का बल हवा को ही पेट में भांति-भांति के पकवानों में बदल देता है,' सियार
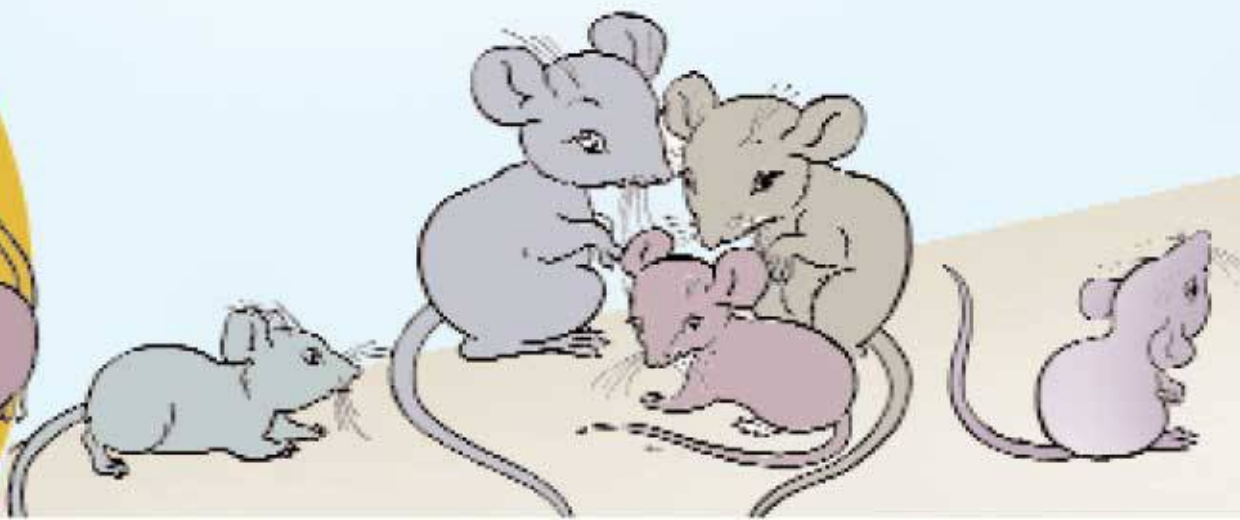
अब सियार की ओर से उनका सारा भय जाता रहा। वे उसके और निकट आ गए। अपनी बात का असर चूहों पर होता देख म□कार सियार दिल ही दिल में खूब हंसा। अब चूहे तपस्वी सियार के भ□त बन गए। सियार एक टांग पर खड़ा रहता और चूहे उसके चारों ओर बैठकर ढोलक, मजीरे, खड़ताल और चिमटे लेकर सियार के भजन गाते।

भजन-कीर्तन समाप्त होने के बाद चूहों की टोलियां भ□ित-रस में डूबकर अपने बिलों में घुसने लगती तो सियार सबसे बाद के तीन-चार चूहों को दबोचकर खा जाता, फिर रातभर आराम करता, सोता और डकारें लेता।

सुबह होते ही फिर वह चूहों के बिलों के पास आकर एक टांग पर खड़ा हो जाता और अपना नाटक जारी रखता। चूहों की सं□या कम होने लगी। चूहों के सरदार की नजर से यह बात छिपी नहीं रही।

एक दिन सरदार ने सियार से पूछ ही लिया, 'हे महात्मा सियार, मेरी टोली के चूहे मुझे कम होते नजर आ रहे हैं, ऐसा □यों हो रहा है?' सियार ने आशीर्वाद की मुद्रा में हाथ उठाया, 'हे चतुर मूषक, यह तो होना ही था। जो सच्चे मन से मेरी भ□ित करेगा, वह सशरीर बैकुण्ठ को जाएगा। बहुत से चूहे भ□ित का फल पा रहे हैं।'

चूहों के सरदार ने देखा कि सियार मोटा हो गया है। कहीं उसका पेट ही तो वह बैकुण्ठलोक नहीं है, जहां चूहे जा रहे हैं? चूहों के सरदार ने बाकी बचे चूहों को चेताया और स्वयं उसने दूसरे दिन सबसे बाद में बिल में घुसने का निश्चय किया।

भजन समाप्त होने के बाद चूहे बिलों में घुसे। सियार ने सबसे अंत के चूहे को दबोचना चाहा। चूहों का सरदार पहले ही चौंकन्ना था। वह दांव मारकर सियार का पंजा बचा गया।

असलियत का पता चलते ही वह उछलकर सियार की गर्दन पर चढ़ गया और उसने बाकी चूहों को हमला करने के लिए कहा। साथ ही उसने अपने दांत सियार की गर्दन में गड़ा दिए। बाकी चूहे भी सियार पर झपटे और सबने कुछ ही देर में महात्मा सियार को कंकाल सियार बना दिया। केवल उसकी हड्डियों का पिंजर बचा रह गया।

***सीख-*** *ढोंग कुछ ही दिन चलता है। ढोंगी को अपनी करनी का दुष्परिणाम भोगना पड़ता ही है।*

**-रूपा शर्मा**

# माइक्रोस्कोप

-पं.रा.

ब्राउनी गिलहरी पहली बार अपने दोस्त ब्लैकी पेंग्विन के घर गया। वहां उसने एक अजीबोगरीब यंत्र देखा।
यार ब्लैकी, क्या तुम बता सकते हो यह कौन सा यंत्र है?


ब्राउनी, इस यंत्र को माइक्रोस्कोप कहते हैं। मेरे डैडी डॉक्टर हैं और उन्होंने मुझे इस यंत्र के बारे में बहुत सारी जानकारियां दी हैं।
तो फिर मुझे बताओ न इस यंत्र के बारे में! मैं जानने के लिए बेहद उत्सुक हूं।
तो सुनो, इस यंत्र का उपयोग सूक्ष्म वस्तुओं को देखने के लिए किया जाता है। जो जीवाणु या कीटाणु हम नंगी आंखों से नहीं देख सकते। उनको इस माइक्रोस्कोप से आसानी से देखा जा सकता है। इस यंत्र से सूक्ष्म वस्तुएं एक हजार गुणा ज्यादा तक बड़ी दिखाई देती हैं। इस यंत्र का आविष्कार यूं तो वर्ष 1590 ईस्वी में हो चुका था, पर व्यापक रूप से इसका उपयोग सत्रहवीं सदी के बाद ही हुआ है।
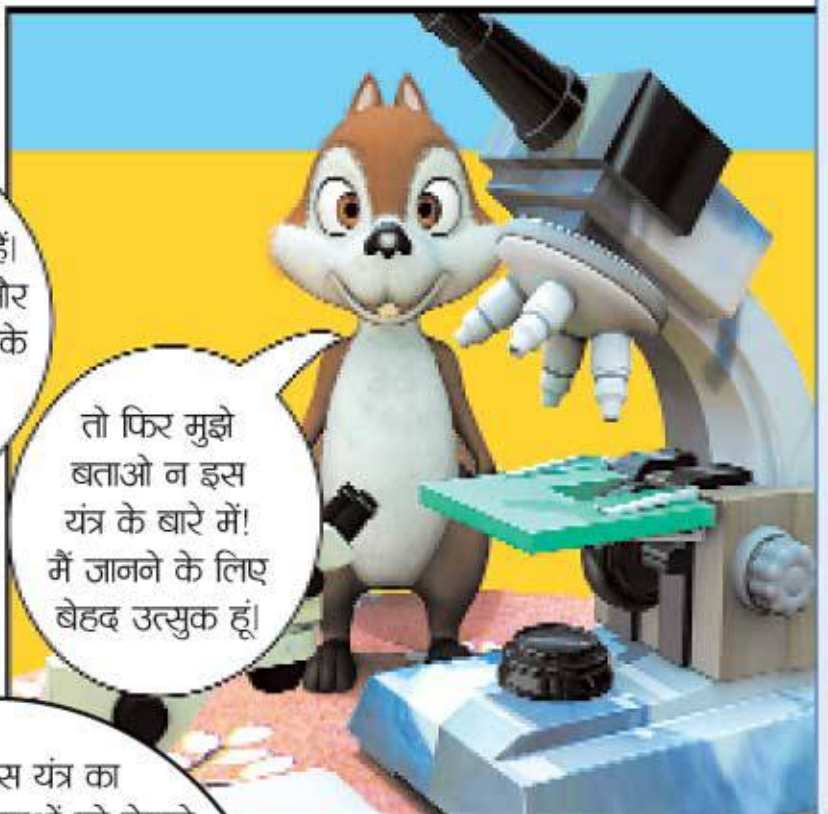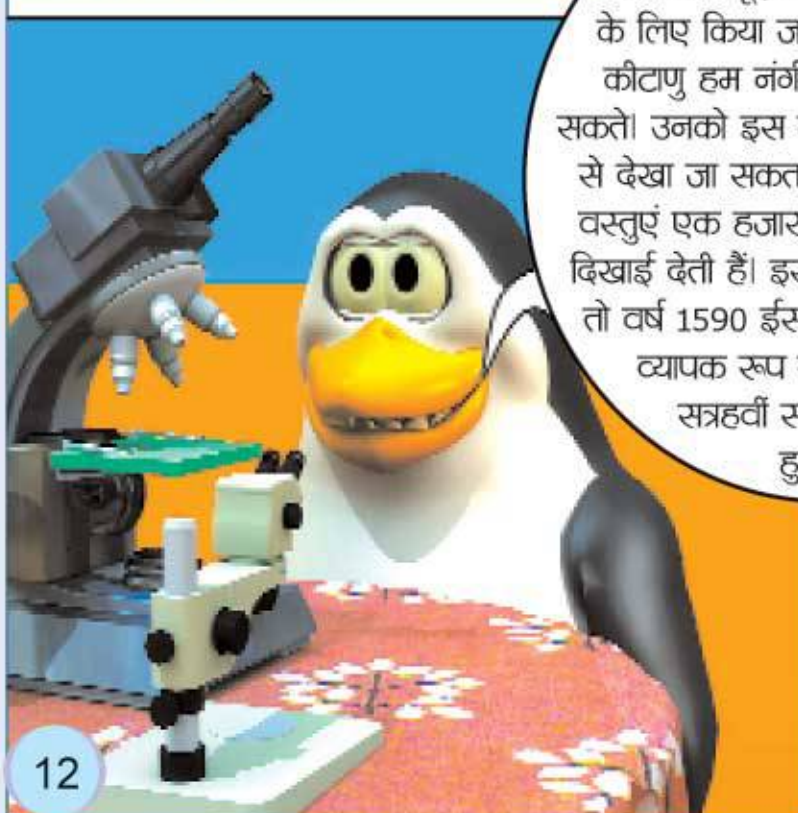
बालहंस

इस यंत्र में दो लैंस लगे होते हैं। जिस लैंस पर हम आंखें लगाकर देखते हैं, उसे आइपीस कहते हैं। जो लैंस वस्तु के पास रहता है, उसे ऑब्जेक्टिव लैंस कहते हैं। सामान्यतया आईपीस एक ही होता है। लेकिन ऑब्जेक्टिव लैंस अलग-अलग पावर का होता है। जिस कांच के प्लेट पर वस्तु को रखा जाता है, उसे स्लाइड कहते हैं। स्लाइड को स्टील के क्लिप के सहारे अटका दिया जाता है। ताकि जांच करते समय वस्तु स्थिर रहे, हिले नहीं।
माइक्रोस्कोप की नॉब घुमाने से ऑब्जेक्टिव लैंस ऊपर से नीचे होता है। जिससे जांच के लिए रखी वस्तु पर सही फोकस करने में मदद मिलती है।

पुराने जमाने में स्लाइड के नीचे एक लैंस होता था। जो सूर्य अथवा दीपक की रोशनी को स्लाइड पर केंद्रित करता, ताकि तेज रोशनी में सूक्ष्म वस्तु अधिक स्पष्ट रूप से दिखे। आजकल के माइक्रोस्कोप में रोशनी के लिए बल्ब लगा होता है। कभी-कभी जांच के नमूनों को गहरे लाल या नीले रंग से रंगा जाता है। जिससे कि उन्हें और अधिक स्पष्टता से देखा जा सके।

माइक्रोस्कोप से देखने पर साधारण-सी दिखने वाली मक्खी की आंख भी विशालकाय जान पड़ती है।
ब्राउनी को माइक्रोस्कोप के बारे में जानकर बहुत मजा आया।
धन्यवाद ब्लैकी। माइक्रोस्कोप के बारे में तुमने आज मुझे बहुत अच्छी-अच्छी जानकारियां दीं।
(समाप्त)
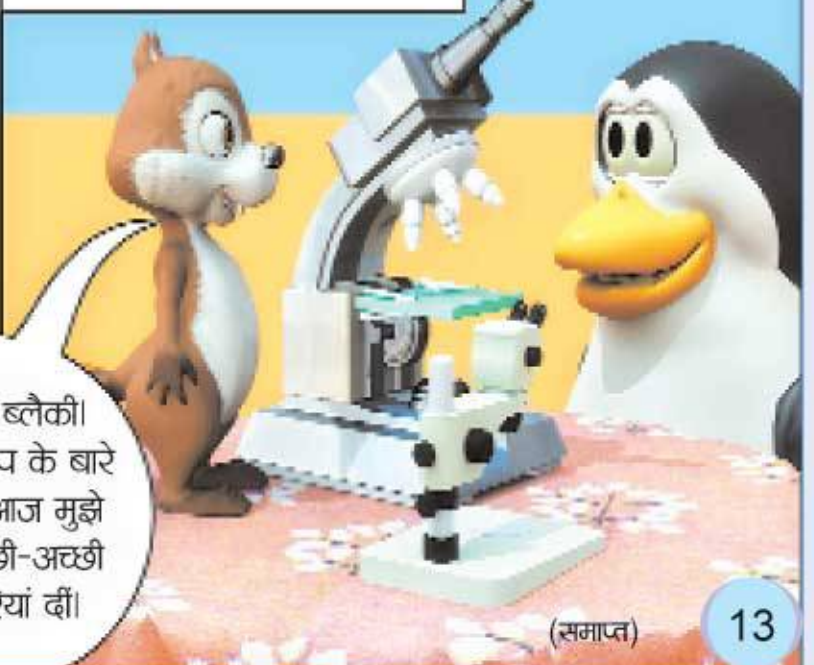
गुड मॉर्निंग


कांस्टेबल पप्पू रात में अपनी ड्यूटी कर रहा था।
रात में चोर-उचक्के जरूर आएंगे...। भगवान, मुझे बचाना...!


अचानक...
छपाक...


अरे..? यह किसकी आवाज है?
बचाओ...बचाओ...


लगता है, कुएं में कोई गिर गया है। मैं देखता हूं...
बचाओ...बचाओ...

रस्सा डाल रहा हूं। उसे पकड़ लो...

अच्छी तरह पकड़ो...
जल्दी करो।

जब आदमी कुएं के किनारे पहुंचने ही वाला था।
सब-इंस्पेक्टर साहब...!!
हां, पप्पू मैं हूं!

...और अगले ही क्षण पप्पू ने सब-इंस्पेक्टर साहब को सैल्यूट किया।
आ...आ....

(समाप्त)

अफसर- आपका नाम क्या है..?
मोहन- एम.पी.,
अफसर- ठीक से पूरा बताओ...
मोहन- मोहन पाल,
अफसर- आपके पिता का नाम?
मोहन- एम.पी.,
अफसर- इसका क्या मतलब है?
मोहन- मनमोहन पाल
अफसर- आप कहां रहते हैं?
मोहन- एम.पी., सर।
अफसर- अच्छा, मध्य प्रदेश?
मोहन- नहीं सर, महाराजपुर
अफसर- ओहो! तुम्हारी क्वालिफिकेशन क्या है?
मोहन- एम.पी., सर।
अफसर- अब यह क्या है?
मोहन- मैट्रिक पास, सर।
अफसर- तुम्हें यह नौकरी क्यूं चाहिए?
मोहन- एम.पी., सर।
अफसर (गुस्से से)- अब इसका क्या मतलब है?
मोहन- मनी प्रोब्लम, सर।
अफसर- अपनी विशेषता बताओ।
मोहन- एम.पी., सर।
अफसर- अरे, साफ-साफ बताओ।
मोहन- मल्टीपरपज परसनेलिटी।
अफसर- इंटरव्यू यहीं खत्म होता है, आप जा सकते हैं।
मोहन- एम.पी., सर...?
अफसर- अब इसका क्या मतलब है...?
मोहन- माय परफारमेंस...?
अफसर (बाल नोंचते हुए)- एम.पी.!!
मोहन- यानि...?
अफसर- मेंटली पंक्चर!!

संता-तुम्हारे रिजल्ट का क्या हुआ?
पप्पू- वो प्रिंसीपल का बेटा फेल हो गया!
संता- तुम्हारा?
पप्पू- वो मेजर साहब का बेटा भी फेल हो गया!
संता- तुम्हारा क्या हुआ?
पप्पू- वो डॉक्टर साहब का बेटा भी!
संता-इडियट, मैं इतनी देर से तुम्हारे बारे में पूछ रहा हूं!
पप्पू-तो आप कौन से प्रधानमंत्री हो जो आप का बेटा पास हो जाएगा!

**एक मोटे आदमी को स्कूटर की हल्की सी टक्कर लग गई। वह स्कूटर चालक पर बिगड़कर बोला- 'क्यों थोड़ा सा बचकर नहीं निकल सकते थे।'**
**स्कूटर चालक नरमाई से बोला, 'क्या करूं, पेट्रोल बहुत महंगा है, इतना लंबा चक्कर कहां तक काटता।'**

**मकान मालिक-तुम अगले महीने, दो महीने का किराया इकट्ठा कैसे चुकाओगे?**
**किराएदार-तब तक मैं घर के दरवाजे और खिड़कियों के ग्राहक ढूंढ लूंगा।**

**संता पहाड़ पर बैठकर किताब पढ़ने लगा। किसी ने पूछा, 'ये क्या कर रहे हो।'**
**संता- 'हायर स्टडी।'**

पहला गधा- यार मैं जिस धोबी के घर काम करता हूं, वो मुझे बहुत मारता हैं।
दूसरा गधा- तू घर छोड़कर भाग क्यों नहीं जाता।
पहला गधा- क्या बताऊं यार, धोबी की एक बहुत सुंदर लड़की है। वो जब भी शरारत करती है, तो धोबी कहता है कि तेरी शादी किसी गधे से कर दूंगा। बस यहीं सोच कर रुक जाता हूं।

एक बार एक कंजूस सेठ टैक्सी में जा रहा था। अचानक ड्राइवर बोला- साहब, गाडी के ब्रेक फेल हो गए हैं।
सेठ जल्दी से बोला- अरे यार पहले जल्दी से टैक्सी का मीटर बंद कर दो।

मूसलाधार बारिश हो रही थी।
बिजली चमक रही थी।
तभी एक व्यक्ति भीगता हुआ आया और दुकानदार से बोला, 'भाई साहब एक डबलरोटी का पैकेट दे दीजिए।'
दुकानदार ने पूछा, 'क्या आप शादीशुदा हैं।'
वह बोला, 'तो आप क्या समझते हैं कि इस मौसम में मेरी मां मुझे बाहर भेजेगी।'

कमला खाना बना रही थी। मांगीलाल अखबार पढ़ रहा था। वह जोर-जोर से खबर पढ़ने लगा- प्रधानमंत्री ने कहा है कि मिलावट करने वालों के प्रति कड़ी कार्यवाही की जाएगी।
यह सुनते ही कमला बोली, 'मैंने तो आलू-मटर-गोभी की सब्जी मिक्स कर बनाई है। किसी से कहना मत कि मैंने मिलावट की है।'

बंता अपने मित्र से बोला , 'मेरी पत्नी को मेरा कितना ध्यान रहता है।'
रात को मैंने उससे कहा कि गर्म पानी कर दो। उसने तुरंत गर्म पानी कर दिया।
'तो क्या हुआ। पर तुमने उसे गर्म पानी करने की तकलीफ क्यों दी।'
'इसलिए कि मैं ठंडे पानी से बरतन नहीं धो सकता।'

संतो (अपनी सहेली से)- आजकल मेरे पति बड़ी देर से घर आते हैं।
बन्तो- तो तू उन्हें डांटकर रख, वो ठीक हो जाएंगे।
संतो- पर डांटू कब। जब मैं घर पहुंचती हूं तो वो सोये रहते हैं।

तीन चींटी रास्ते में बैठकर बातें कर रही थीं कि अचानक उस रास्ते से हाथी गुजरता है।
वहां बैठी एक चींटी हाथी से बोली- हाथी मुझसे कुश्ती लड़ोगे।
बाकी चींटियां बोलीं- अरे रहने दो यार बेचारा अकेला है।

बबली- कभी-कभी तुम आदमी मालूम पड़ते हो और कभी-कभी तुम्हारा व्यवहार औरतों जैसा हो जाता है। क्या बात है।
बंटी- सब पूर्वजों का दोष है। मेरे आधे पूर्वज आदमी थे और आधे स्त्री।

ग्राहक- समोसे कुछ ठीक नहीं लग रहे हैं, क्या बात है। परसों वाले तो बहुत अच्छे थे।
दुकानदार- अजी साहब, ये वही तो हैं।

शादी पर शहनाई बज रही थी। बंता ने संता से पूछा, 'ये कौन सी धुन बज रही है।'
संता बोला, 'वही जो तूफान के आने से पहले बजाई जाती है।'

अखबार वाला लड़का जोर-जोर से सड़क पर चिल्लाता हुआ जा रहा था। आज की ताजा खबर। एक छोटे से झूठ ने 125 लोगों को बेवकूफ बनाया।
राहगीर- एक अखबार देना।
अखबार वाला बच्चा आगे बढ़ गया और फिर चिल्लाया- एक छोटे से झूठ ने 126 लोगों को बेवकूफ बनाया।

# वीर पृथ्वीराज चौहान

हमारे देश में ऐसे कई वीर राजपूत राजा हुए हैं, जिनका नाम वीरता, बहादुरी और रणकौशल के लिए इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों से लिखा हुआ है। पृथ्वीराज चौहान, चौहान वंश के आखिरी राजा थे। उनका जन्म 1168 ईस्वी में अजमेर के राजा सोमेश्वर चौहान के यहां हुआ।

राजा सोमेश्वर सन् 1179 ईस्वी में हुए एक युद्ध में मारे गये।

उनके बाद तेरह वर्षीय पृथ्वीराज चौहान को अजमेर का राजा बनाया गया।

भीमदेव हमारा पहला शत्रु है।

JINGLE BELL CREATIONS

उसने मेरे पिता को मारा है। मैं उसे नहीं छोड़ सकता।

हम सिर्फ मौके की तलाश में हैं।

उधर राजा भीमदेव, राजा जेतपरनाथ की पुत्री राजकुमारी लक्षणी से विवाह करना चाहता था।
राजा जेतपरनाथ को संदेश भेजो.... या तो वह अपनी राजकुमारी का विवाह हमारे साथ कर दें, अन्यथा हम उसका वध कर उसके राज्य को हथिया लेंगे।
जैसी आपकी आज्ञा महाराज...।
लेकिन जेतपरनाथ नहीं चाहता था कि राजकुमारी का विवाह भीमदेव से हो।
यदि मैं भीमदेव की बात नहीं मानूंगा तो वह हमारे राज्य पर आक्रमण कर देगा। ऐसे में हमें क्या करना चाहिए?
केवल एक ही आदमी है, जो हमारी सहायता कर सकता है।
मुझे सहायता के लिए पृथ्वीराज चौहान से बात करनी चाहिए। वह वीर और साहसी शासक है।

पृथ्वीराज चौहान इतने बलशाली और हिम्मतवान थे कि बिना हथियार के शेर को अपने हाथों से ही मार देते थे। जेतपरनाथ ने पृथ्वीराज चौहान के बारे में ऐसी वीरतापूर्ण बातें पहले ही सुन रखी थीं।

पृथ्वीराज चौहान के महल में...

महाराज, राजा जेतपरनाथ के यहां से संदेश आया है।

हुं... ठीक है, सुनाओ...

शेरदिल, वीर महाराज पृथ्वीराज चौहान...कृपा करके मुझे गुजरात के राजा भीमदेव से बचाओ।

भीमदेव मेरे पिता का हत्यारा है। यह सही मौका है। मैं इसी का इंतजार कर रहा था।

पृथ्वीराज अपनी शक्तिशाली सेना के साथ भीमदेव से लोहा लेने के लिए रवाना हुए। दोनों तरफ की सेनाओं का सामना साबरमती नदी के किनारे हुआ। भयानक युद्ध शुरू हुआ।

बचाओ!

और अंत में, पृथ्वीराज चौहान ने भीमदेव को हरा दिया।

पृथ्वीराज चौहान युद्ध से लौटे तो महल में एक और संदेश उनका इंतजार कर रहा था।
अरे! यह संदेश तो दिल्ली से मेरे दादाजी का है।


पृथ्वीराज चौहान के दादा अनंगपाल के संदेश में लिखा था कि वह शीघ्र ही दिल्ली मिलने के लिए आये।
बेटा! अब मैं बूढ़ा हो गया हूं। अब मेरी दिल्ली पर राज करने की इच्छा नहीं है।


इसलिए, मेरी इच्छा है कि अब तुम दिल्ली की राजगद्दी संभालो।

....और इस प्रकार पृथ्वीराज चौहान ने दिल्ली की राजगद्दी संभाल ली।
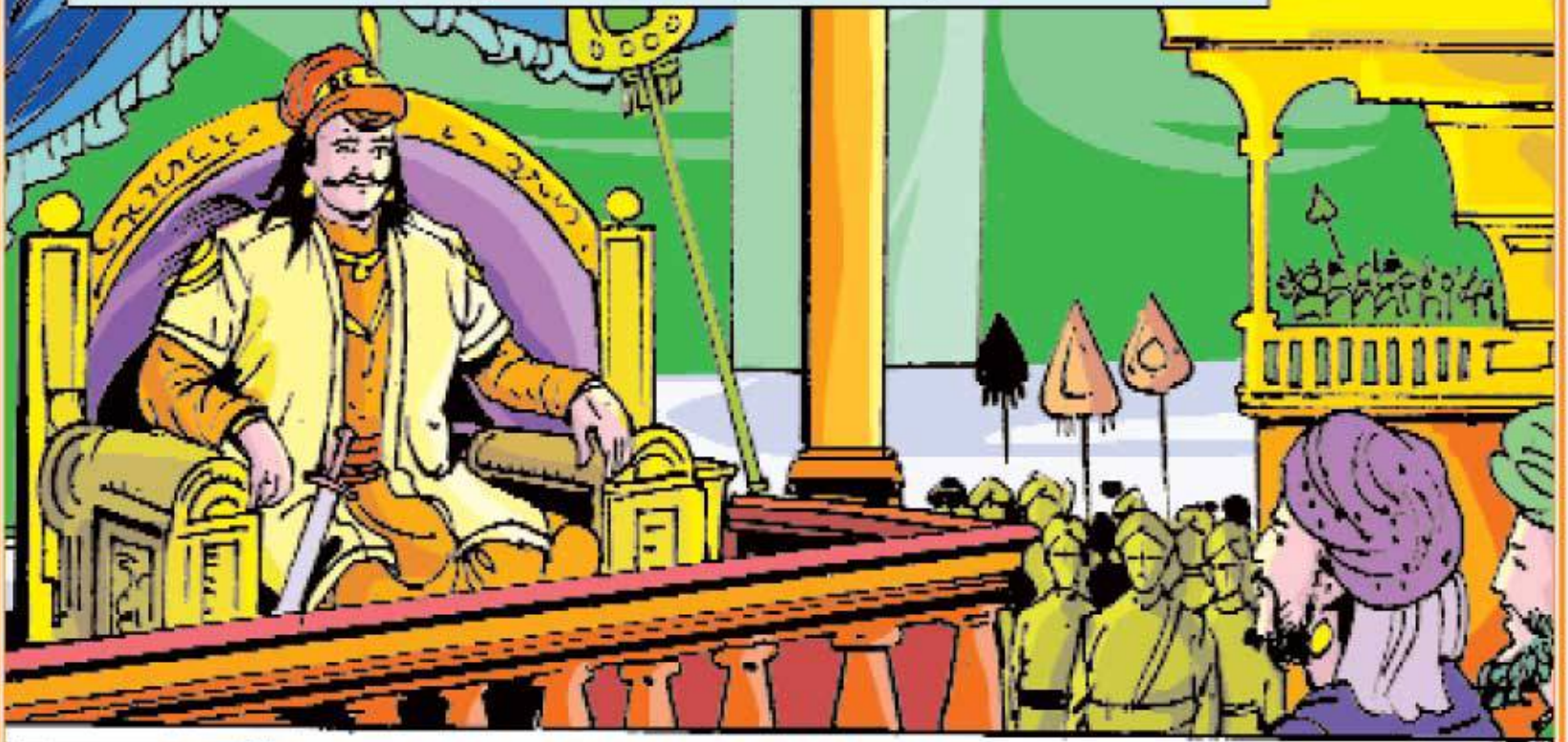
पृथ्वीराज चौहान का सम्बन्धी कन्नौज का राजा जयचंद इस ताजपोशी से खुश नहीं था।

राजसूय यज्ञ की घोषणा हुई। द्वेष की भावना से राजसूय यज्ञ में शामिल होने के लिए पृथ्वीराज चौहान को भी आमंत्रित किया।

यज्ञ के आयोजन की जिम्मेदारी जयचंद के रिश्तेदार संभाल रहे थे। पृथ्वीराज चौहान को महल का मुख्य रक्षक बनाया गया।

हा...हा...

पृथ्वीराज को यज्ञ देखने तक का मौका नहीं मिला।

एक सम्राट, एक राजा को कितने विनम्र और आदर से आमंत्रित कर रहा है। वाह! क्या दृश्य है।
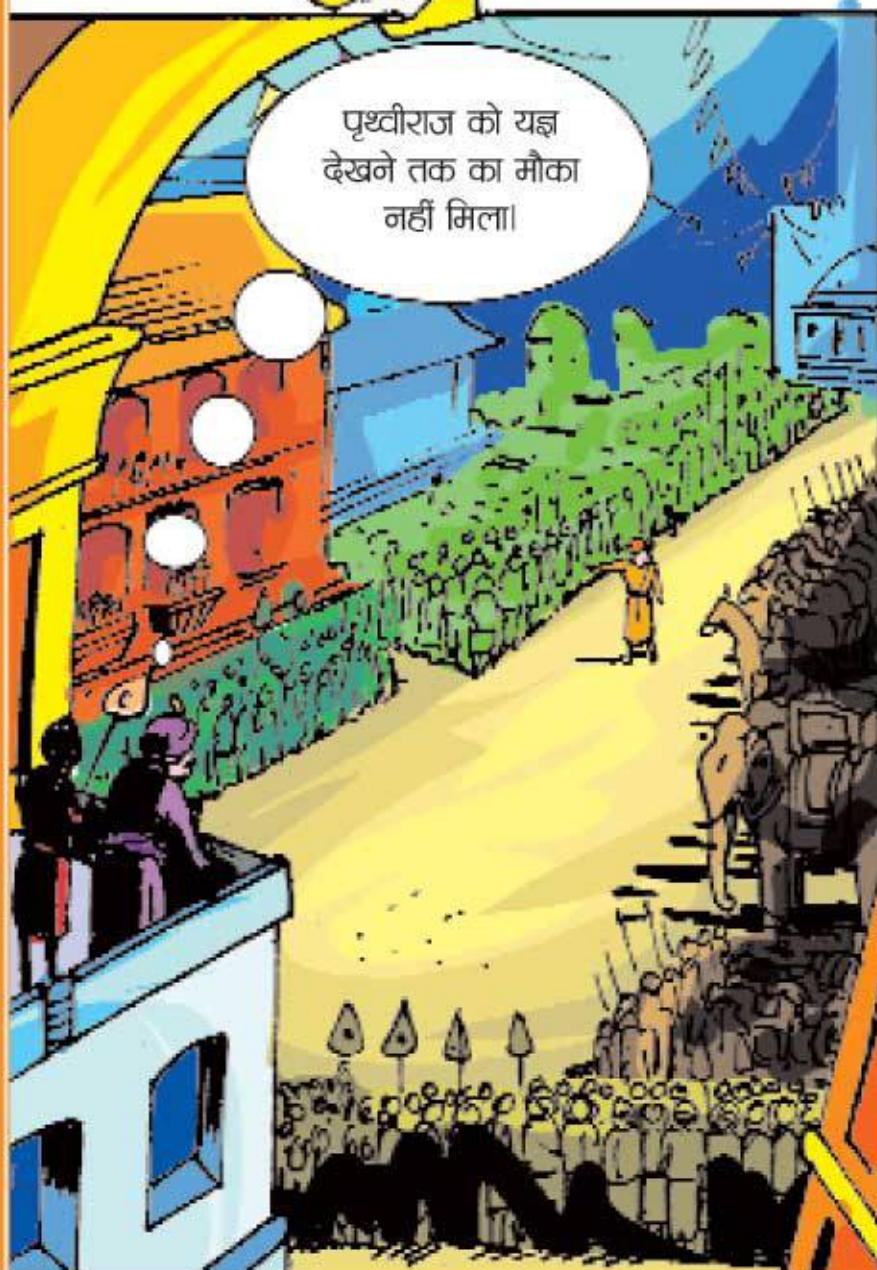
लेकिन, पृथ्वीराज ने दिये गये कार्य को प्रसन्नता से जारी रखा।
आपका स्वागत है महाराज...!
इसी दौरान जयचंद की पुत्री राजकुमारी संयुक्ता (संयोगिता) से पृथ्वीराज को प्रेम हो गया।
यज्ञ समाप्ति के बाद पृथ्वीराज लौट रहे थे। संयोगिता को भी वह अपने साथ घोड़े पर बैठा लाये।
इस प्रकरण के बाद जयचंद की पृथ्वीराज से दुश्मनी और ज्यादा बढ़ गई।
पृथ्वीराज को किसी भी तरह मौत के घाट उतारना है।
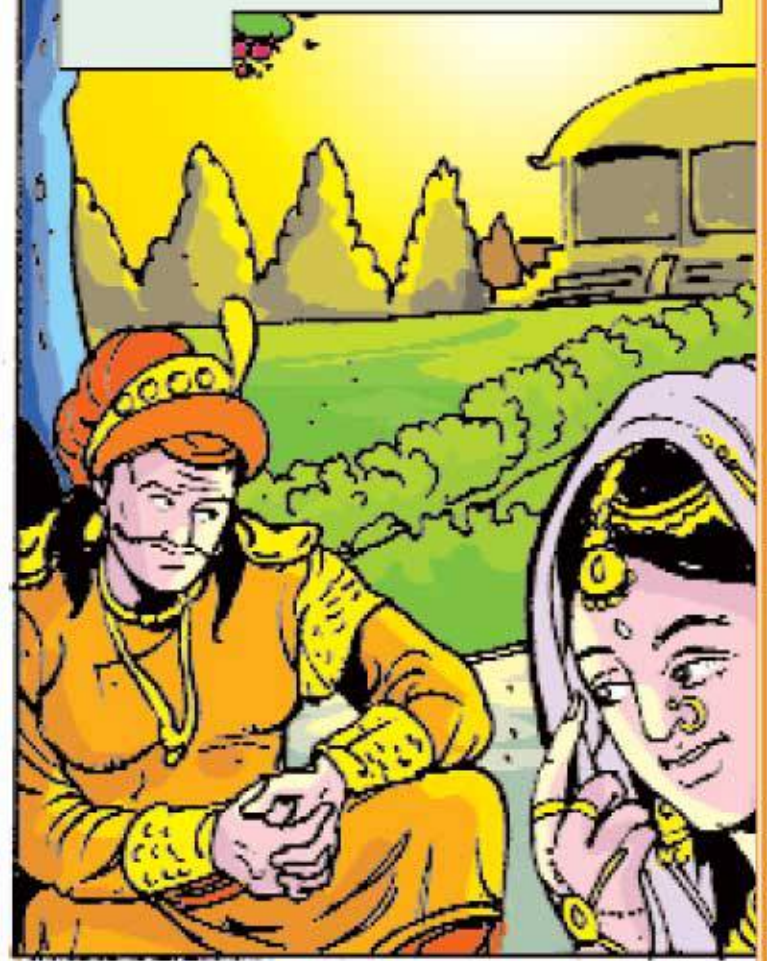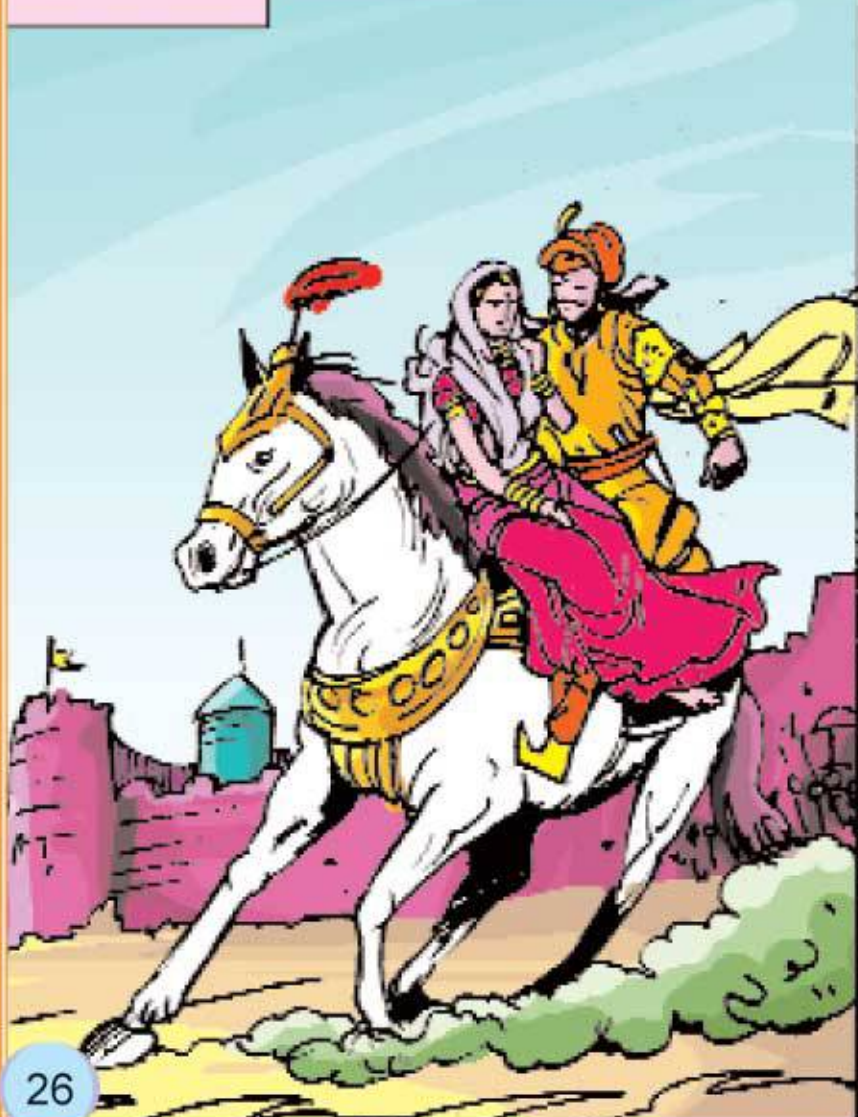
दिल्ली पहुंचने पर पृथ्वीराज ने अपने राज्य विस्तार के प्रयास शुरू किये।

लेकिन जयचंद के सीने में प्रतिशोध की ज्वाला धधक रही थी।

पृथ्वीराज को हराने का एक रास्ता है...

मुझे शक्तिशाली मुहम्मद गौरी को पृथ्वीराज पर आक्रमण के लिए बुलाना चाहिए।

...और इस प्रकार जयचंद और पाटन के राजा के बुलावे पर मोहम्मद गौरी पृथ्वीराज पर आक्रमण के लिए आ पहुंचा।

मुहम्मद गौरी से मुकाबला करने के लिए पृथ्वीराज चौहान के साथ अन्य राजपूत राजाओं ने भी हाथ मिला लिया।

मुहम्मद गौरी युद्ध के मैदान के मध्य
अपने रौद्ररूप में था।

चौहान राजा गोविंद राय युद्ध
कर रहा था।
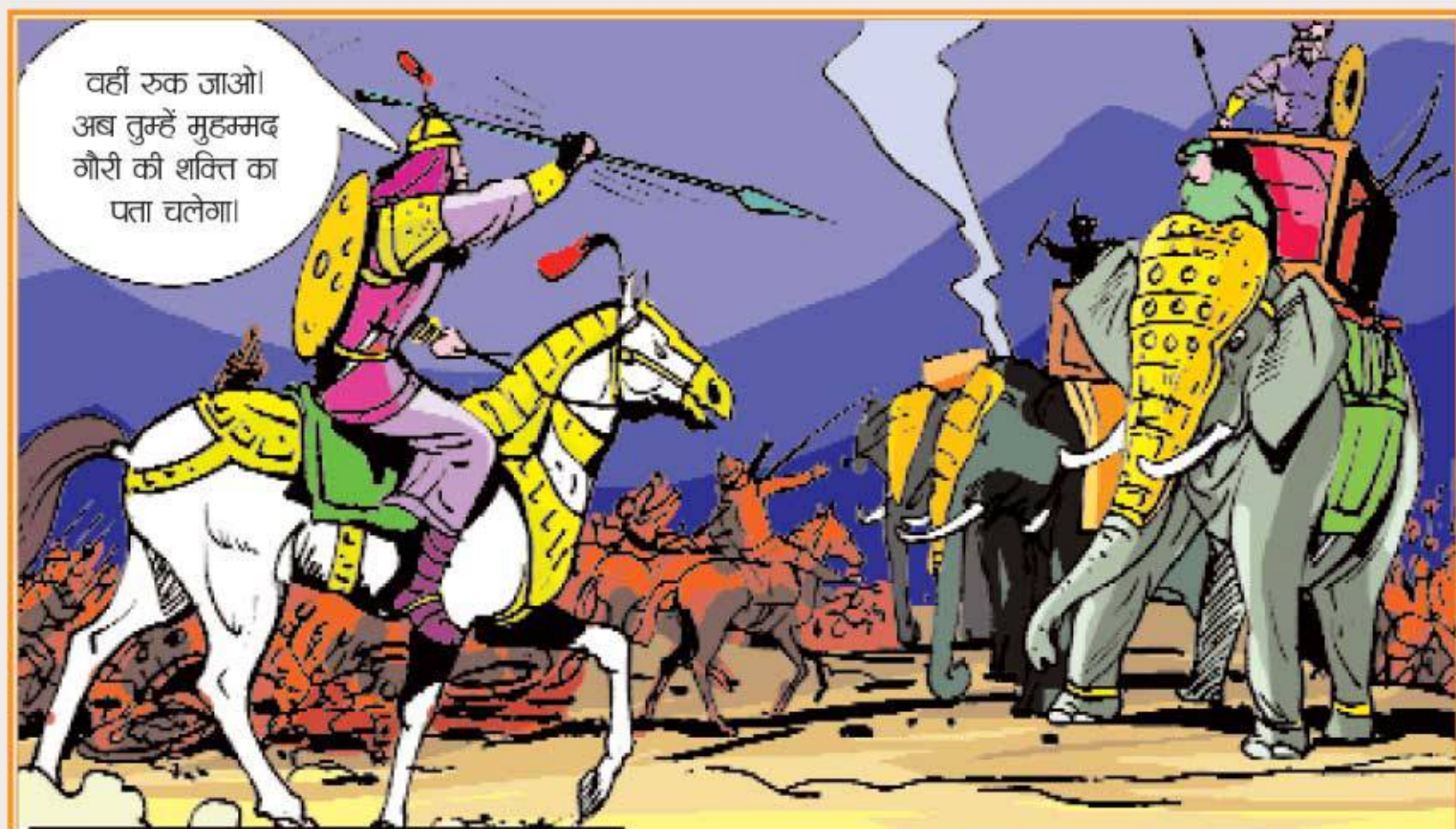
वहीं रुक जाओ। अब तुम्हें मुहम्मद गौरी की शक्ति का पता चलेगा।

शक्तिशाली राजा गोविंद राय ने अपना बचाव ढाल से किया।

अगले ही क्षण गोविंद राय ने भाले से मुहम्मद गौरी पर बिजली की गति से प्रहार किया।
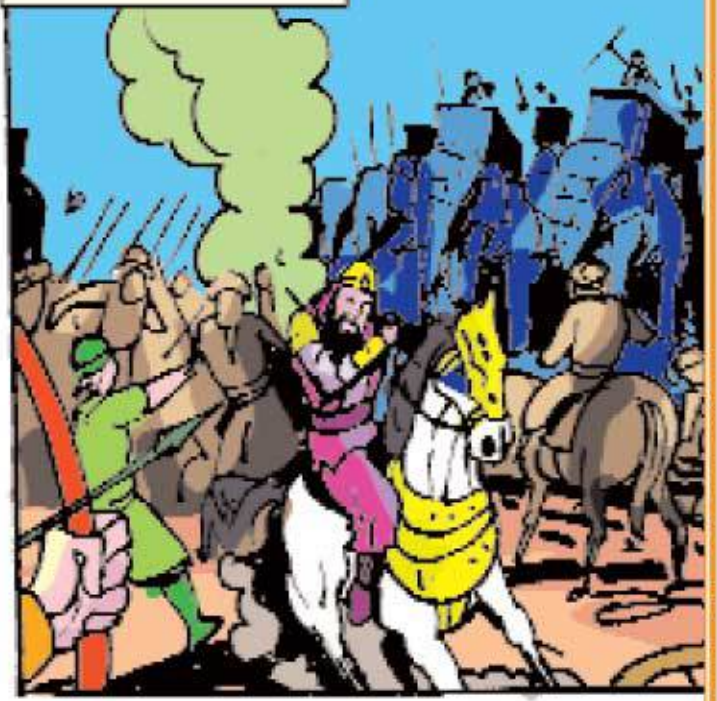
गौरी को युद्ध के मैदान से भगा देने के बाद पृथ्वीराज विलासितापूर्ण जीवन जीने लगा। वह अधिकतर समय संयोगिता के साथ बिताने लगा।

वह राजकाज के बारे में बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा था। इसके परिणामस्वरूप राज्य के कई पदाधिकारी इसका विरोध करने लगे। कई राजा के दुश्मन भी बन गये।

उचित अवसर की प्रतीक्षा में बैठा जयचंद, पृथ्वीराज चौहान पर आक्रमण करने के लिए मुहम्मद गौरी को एक बार फिर सन् 1192 ईस्वी में आमंत्रित करता है। मुहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान के मध्य भयानक युद्ध होता है।

इस बार भी मुहम्मद गौरी पृथ्वीराज की शक्ति का सामना नहीं कर पाता और युद्ध मैदान से भाग खड़ा होता है।

जीत की खुशी में उस रात शिविर में पृथ्वीराज गहरी नींद में सोया था। उसी दौरान मुहम्मद गौरी के सैनिकों ने पृथ्वीराज के शिविर में चुपके से प्रवेश किया।

पृथ्वीराज और उसके आत्मीय मित्र चंद बरदाई को मुहम्मद गौरी के सैनिकों ने गिरफ्तार कर लिया। निर्दयी मुहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज की दोनों आंखें निकाल लीं।

पृथ्वीराज तुम बहुत बड़े धनुर्धारी हो ना। तुम तो आवाज की दिशा में तीर चला कर शिकार कर लेते हो? अब मैं देखता हूं तुम्हारी योग्यता कितनी है?

हा...हा... तुमने मुझे एक बार पकड़ा था... और बाद में छोड़ दिया था। मैं ऐसी गलती नहीं करूंगा।
हुं...अब तुम मुझे अपनी धनुर्विद्या दिखलाओ।
ठीक है... तुम्हारी इच्छा पूरी करता हूं।
वहां उपस्थित भीड़ भी पृथ्वीराज की आवाज की दिशा में तीर चलाकर निशाना साधने की कला को देखने के लिए उत्सुक थी।
इसके बाद, पृथ्वीराज के मित्र कवि चंद बरदाई ने एक कविता गाना शुरू किया।

कविता का अर्थ था-पूरा मैदान लोगों से भरा हुआ है...मुहम्मद गौरी रत्नजड़ित स्वर्ण-निर्मित सिंहासन पर पूर्व दिशा में बैठा हुआ है.....

बहुत बढ़िया...!
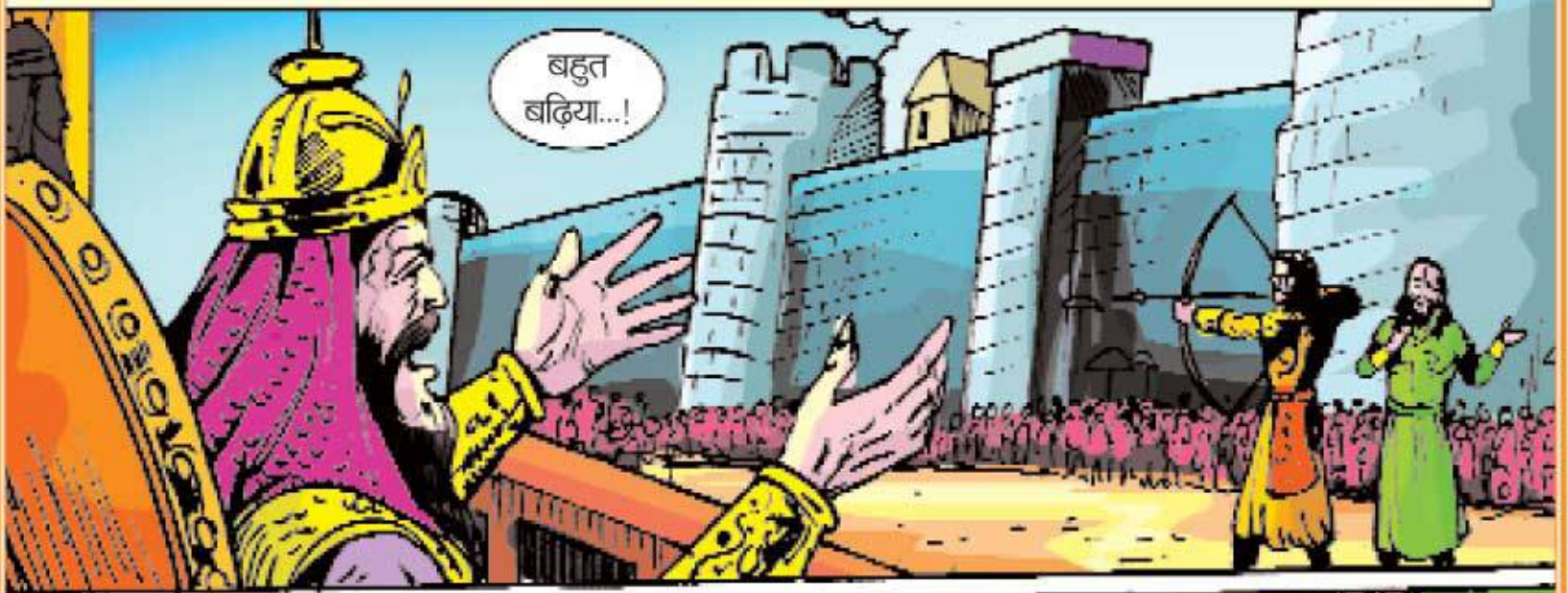
उसी क्षण, पृथ्वीराज चौहान का हवा में सनसनाता हुआ एक तीर गौरी की तरफ आया...

गौरी चीखता-चिल्लाता हुआ गिर गया।

...पृथ्वीराज चौहान और चंद बरदाई ने एक-दूसरे पर तलवारों से प्रहार कर लिया।
इतिहास कभी भी इन वीर पुरुषों की देशभक्ति को नहीं भूल सकता। आज भी इनकी वीर गाथाएं जन-जन के मध्य सुनायी जाती हैं, और सुनाई जाती रहेंगी।

(समाप्त)
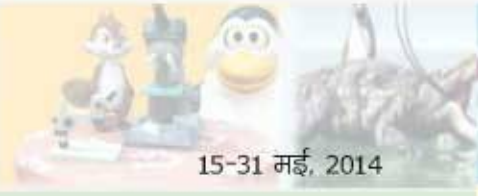
# कोशिश तो कर

-राजेश गुजर

नदी किनारे पेड़ पर बैठा एक तोता यह सब देख रहा था। इल्ली मुसीबत में है, इसकी मदद करनी चाहिए।

मैं एक पत्ता तोड़कर नदी में गिरा देता हूं। वह उस पर बैठकर किनारे लग जाएगी।
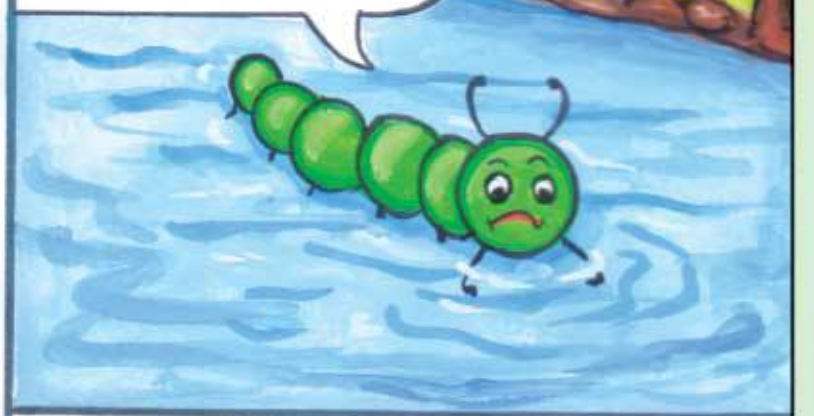
तोता पत्ता तोड़कर नदी में गिरा देता है।

इल्ली ने यह देख लिया।

इल्ली पत्ते को देखकर उस पर बैठ जाती है। कुछ ही समय में वह पत्ता किनारे लग गया और इल्ली किनारे आ गई।

संकट में हिम्मत रखने और बार-बार कोशिश करने से सफलता मिलती है। ईश्वर किसी भी बहाने उसकी मदद करते हैं।

# ऐसे बना घोड़ा पालतू

कथा : कुमार मोहनचलम
आर्ट : देवप्रकाश

एक बार एक स्वार्थी घोड़ा घास चर रहा था, तभी...

वह हिरण वहां रोज आने लगा और घोड़े का क्रोध बढ़ता ही गया।

घोड़ा एक दिन एक मनुष्य के पास पहुंचा।

लेकिन हिरण मुझे देखते ही तेजी से भाग जाएगा।
आप मेरी पीठ पर बैठ जाएं।


लेकिन मैं गिर जाऊंगा।
आप मेरे गले और पीठ पर रस्सी बांधकर बैठ जाएं।


शिकारी ने ऐसा ही किया।


अरे वाह! तुम तो तेज भाग सकते हो?
अब मुझे हिरण के पास ले चलो।


शिकारी मनुष्य को देखते ही हिरण भाग लिया।


घोड़े पर सवार मनुष्य ने उसका पीछा किया।

लेकिन मनुष्य ने घोड़े को नहीं छोड़ा।
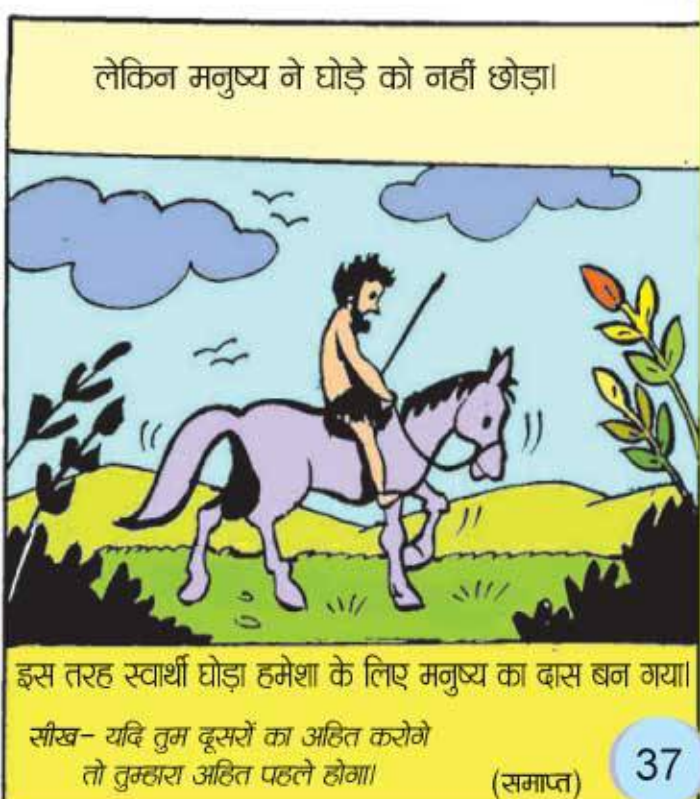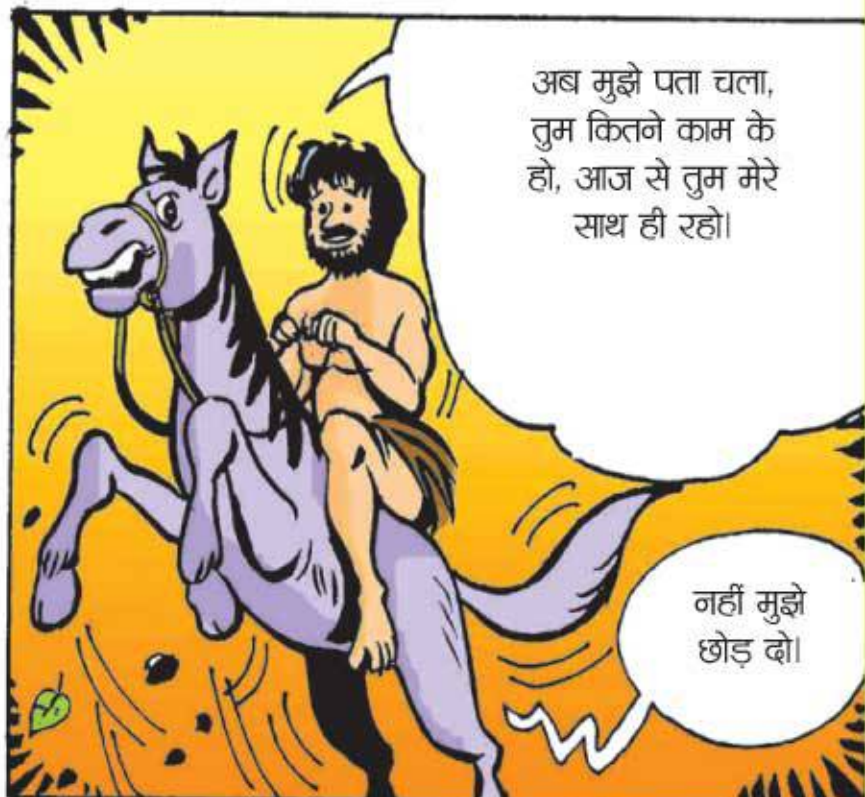
इस तरह स्वार्थी घोड़ा हमेशा के लिए मनुष्य का दास बन गया।

*सीख– यदि तुम दूसरों का अहित करोगे तो तुम्हारा अहित पहले होगा।*

(समाप्त)

# भूटान

**प्राकृतिक** सुंदरता और विविधता के मामले में यह देश बेहद समृद्ध है। दूर से ही नजर आने वाली बड़ी पहाड़ियां, हरे-घने जंगल, मनोरम घाटियां, पुराने समय के अवशेष और अपने आप में अलग सभ्यता। ये सब इस छोटे से धर्म-शासित देश को पर्यटन के क्षेत्र में काफी ऊंचा स्थान देते हैं। यहां तमाम तरह के मेडिसिनल पौधे भी पाए जाते हैं।

**थिंपू-** देश की राजधानी थिंपू इसी नाम की नदी की घाटी में बसा शहर है। इस शहर की दिलचस्प बात यह है कि इस शहर में कोई ट्रैफिक सिग्नल नहीं है। यहां आप भूटान की पुरानी स□यता देख सकते हैं। स्कूल ऑफ आर्ट एंड क्रा□ट, चंगलिमिथंग स्टेडियम और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन इस शहर के नए टूरिस्ट स्पॉट्स हैं। दुनिया की सबसे छोटी राजधानी कहे जाने वाले इस शहर को देखते ही भूटान के कल्चर और ट्रेडिशन का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस शहर के पास जहां आपको देने के लिए ट्रैकिंग, रिवर रा□टंग, हाइकिंग के रोमांच हैं, तो यहां की शॉपिंग भी आप खूब एंजॉय करेंगे।

**पेरो-** हवाई यात्रा के जरिए आने वाले लोगों की भूटान से पहली मुलाकात इसी शहर के जरिए होती है। देश के पश्चिमी हिस्से में स्थित इस शहर के खूबसूरत प्राकृतिक नजारे पहली नजर में ही अपने मोहपाश में बांध लेते हैं। यहां की ऐतिहासिक इमारतें और गांवों में लकड़ी के बने घर भी दिलचस्प नजारा पेश करते हैं। शहर की पेरो नदी के पास की पहाड़ियों के पास बना है रिंपंग जोंग, जिसे पेरो जोंग भी कहा जाता है। यहां से कुछ दूरी पर ता जोंग है। इस पुराने वॉच टॉवर में नेशनल □यूजियम बना है। इसी के पास तक्षांग मोनेस्ट्री बनी है। पास ही भूटान का तीर्थस्थल काइचू ल्याखंग है। इसी के पास त□तसंग नाम का एक और तीर्थ स्थान है। जहां भूटान का हर निवासी जिंदगी में कम से कम एक बार जाने की □वाहिश जरूर रखता है।

**त्रोंग्सा-** भूटान के बीचोंबीच स्थित त्रोंग्सा का खासा ऐतिहासिक मह□व है। देश के पहले राजा उग्येन वांचुक और उनके उ□राधिकारी जिग्मे वांचुक का राजकाज यहीं के पुराने जोंग से चलता था। त्रोंग्सा जोंग दरअसल, कई मंदिरों, गलियारों व ऑफिसों वाला भव्य किला है। इसके बीच में ही कोर्ट भी बना हुआ है। त्रोंग्सा
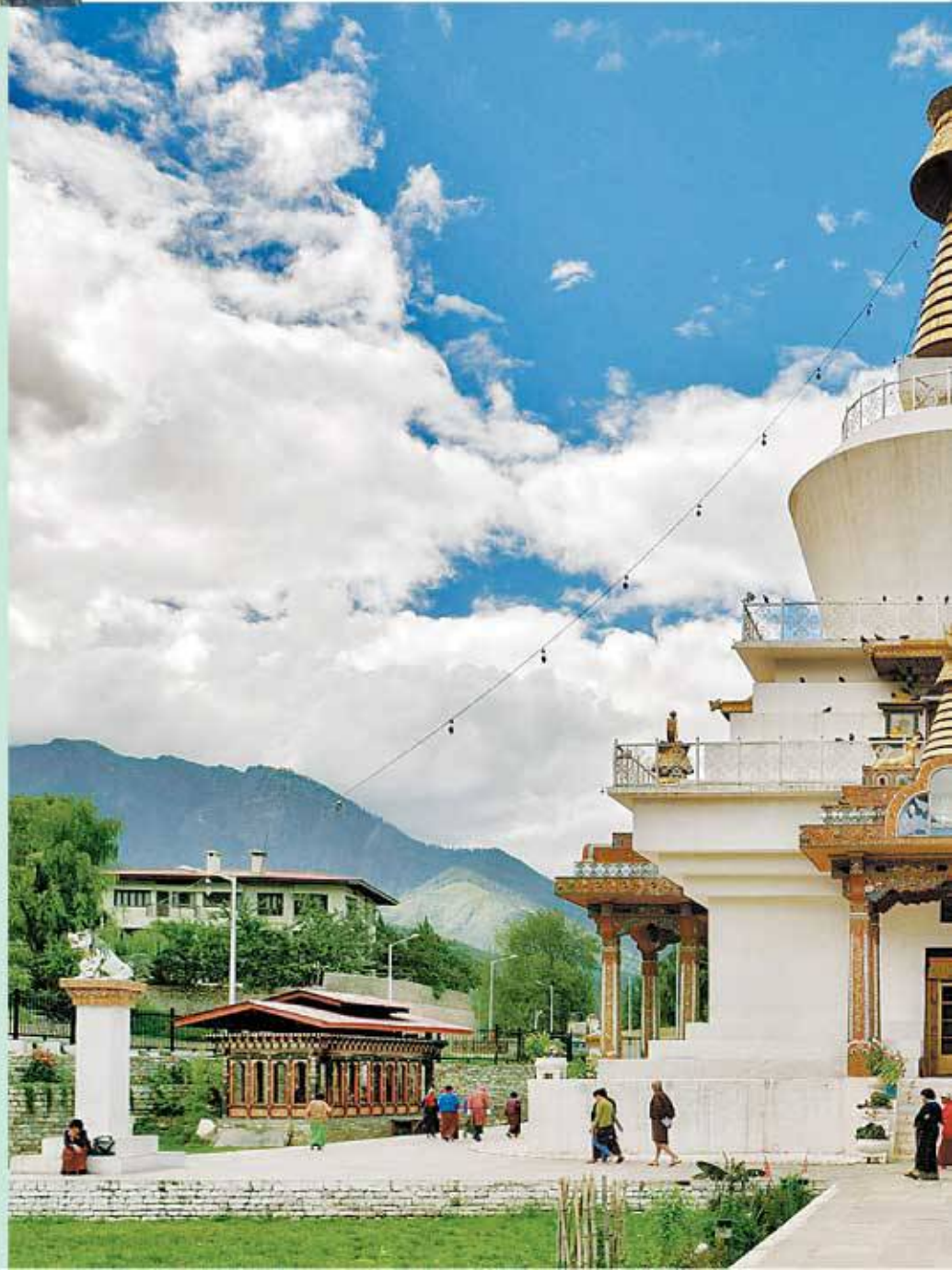
***भूमथंग***– इसे भूटान का आध्यात्मिक केन्द्र कहा जा सकता है। भूटान के अधिकतर पुराने बौद्ध मंदिर यहीं बने हुए हैं। यहां कई मह□वपूर्ण जोंग, मंदिर और महल हैं। राजमहल, जंबे लखांग का मंदिर, कुर्जे लखांग की गुफा और भूटान का सबसे बड़ा जोंग, जकार यहीं बने हुए हैं।

## सैर सपाटा
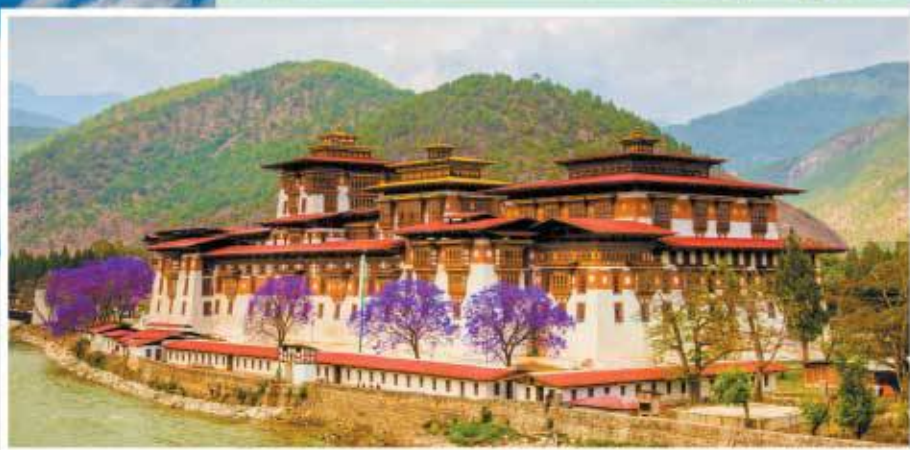
**फा□जका–** इस घाटी को कंजर्वेशन एरिया के तहत गिना जाता है। यह भूटान के वाइल्डलाइफ प्रिजर्व, □लैक माउंटेन नेशनल पार्क के बॉर्डर पर बनी है। यहां आप काली गर्दन वाले उन सारसों को भी देख सकते हैं, जिनकी प्रजाति लुप्त होने की कगार पर है। वैसे, भूटान की लोक-कथाओं में इन सारसों का मह□वपूर्ण स्थान है। इन्हें देखना वाकई एक अलग अनुभव है। इसके अलावा, इस क्षेत्र में तमाम तरह के वन्य जीव जैस हिरण, हिमालय में पाए जाने वाले काले भालू, तेंदुआ, लाल लोमड़ियों को देखा जा

# खोज-बीन

| दा | ला | लू | प्र | सा | द | या | द | व | भा |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा | रो | अ | ब्दु | ल | ग | फू | र | न्हा | ग |
| म | कृ | गा | ह | पे | वी | नू | सि | ब | व |
| सुं | चं | दं | प्र | दे | ड़ा | ण | व | बे | त |
| द | रे | द्र | ड़ी | सा | य | का | दु | अं | झा |
| र | प | ब | शे | रा | द | री | ढ़ | जा | आ |
| दा | रा | पा | ना | ख | श्व | रा | तू | ड | जा |
| स | फ | द्र | म | दे | र | रू | य | की | द |
| अ | त्यें | भा | बिं | व | त | सिं | आ | उ | फ |
| स | ज | ग | न्ना | थ | मि | श्र | ह | री | जा |

## कैसे हल करें

इस ग्रिड में बिहार के 10 पूर्व मुख्यमंत्रियों के नाम दिए गए हैं। नाम बाएं से दाएं, ऊपर से नीचे और तिरछे हो सकते हैं।

| ख | म | ज | रू | ह | सु | ल्ता | न | पु | री |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बी | अ | जा | ऋ | षि | के | श | मु | ख | र्जी |
| आ | य | श | चो | प | ड़ा | नू | ध | ब | ती |
| र | प्र | के | र | म | शि | ज | झी | व | हा |
| चो | रे | दे | भ | रं | वा | प्र | ग | दि | ले |
| प | प | व | वि | जि | जी | भा | दी | ली | आ |
| ड़ा | र | आ | र | बे | ग | क | तू | प | शा |
| फ | घी | नं | म | का | णे | के | र | कु | भों |
| अ | खा | द | र | पू | श | जा | ह | मा | स |
| रा | ज | कु | मा | र | न | म | धा | र | ले |

## कैसे हल करें

इस ग्रिड में दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित 10 फिल्म हस्तियों के नाम दिए गए हैं। नाम बाएं से दाएं, ऊपर से नीचे और तिरछे हो सकते हैं।

## बूझो तो...!

1. सुबह, दोपहर शाम को
मैं लोगों को भाती।
सब्जी के संग मेल है
आदि कटे तो पाती।

2. लख से मेरा नाम है
हूं नवाबों का शहर।
राजधानी एक राज्य की
नहीं मैं कोई गैर।

3. एक किले के लाख द्वार
नहीं किसी के कोई कपाट।
फिर भी कोई घुस न पाए
राजा सोए डाल के खाट।

4. दिन में चलती, रात को चलती
नहीं करती कभी आराम।
सब उसको हैं देखा करते
दीवार पर उसका धाम।

5. इधर की बात उधर मैं करता
उधर की इधर बताता।
चुगलखोर पर कहे न कोई
सबके काम मैं आता।

6 . कहलाता तो हूं मैं चूल्हा
पर अजब है मेरा रूप।
तेल, गैस न लकड़ी मांगू
मुझे तो चाहिए धूप।

**उत्तर**

1. चपाती
2. लखनऊ
3. मच्छरदानी
4. दीवार घड़ी
5. टेलीफोन
6. सौर चूल्हा
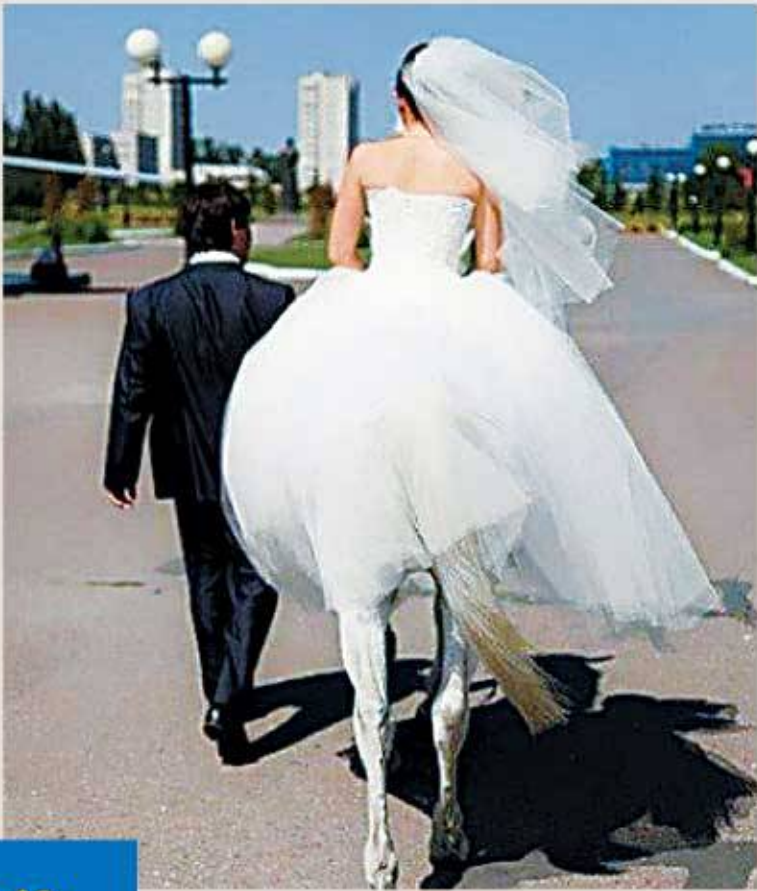
Illusion
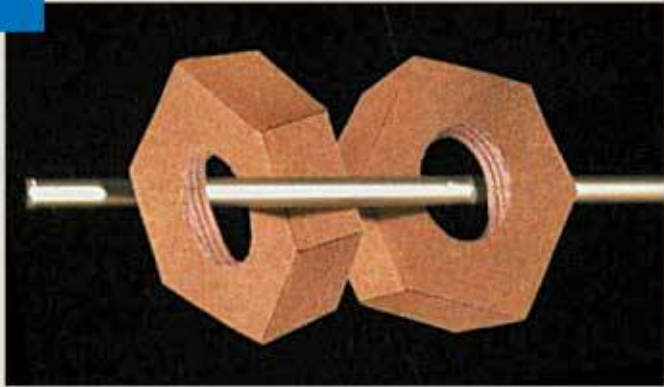
# Super hero Qotes

Don't just hope for the best.
Be active in shaping the future!
Be a Superhero!!

"SOMETIMES BEING A BROTHER IS EVEN BETTER THAN BEING A SUPERHERO"
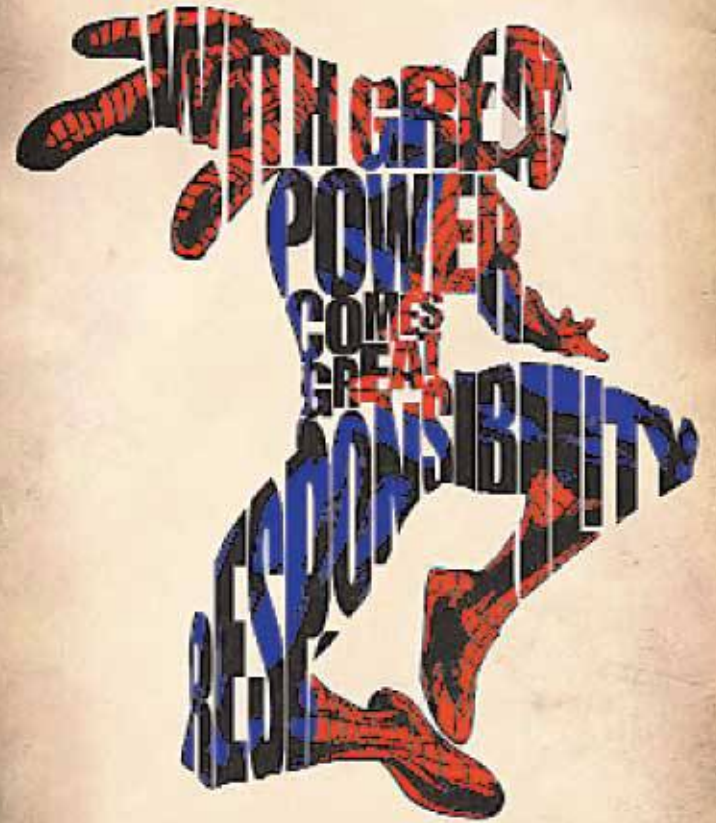
"HEROES ARE MADE BY THE PATHS THEY CHOOSE, NOT THE POWERS THEY ARE GRACED WITH."

*बच्चो, तुहें रोजाना अपने घर-स्कूल में अंग्रेजी बोलना चाहिए। इससे अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ तो बनेगी ही, साथ ही तुहारी अंग्रेजी बोलने में होने वाली हिचकिचाहट भी दूर होगी और कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। यहां तुहें रोजाना घर-बाहर बातचीत में काम में आने वाले वाय दिए जा रहे हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और*

क. आप कहां जाना चाहेंगे?
Where would you like to go?
वेअर वुड यू लाइक टु गो?

ख. उसका कितना खर्चा होगा?
How much will it cost?
हाउ मच विल इट कोस्ट?

ग. कृपया, मीटर चालू कर दें।
Please switch the meter on.
प्लीज स्विच द मीटर ऑन।

घ. यह यात्रा कितना समय लेगी?
How long will the journey take?
हाउ लांग विल द जर्नी टेक?

ड. या आपको बुरा लगेगा, अगर मैं ये खिड़की खोलूं तो?
Do you mind, if I open the window?
डू यू माइंड, इफ आई ओपन द विंडो?

च. टिकट कार्यालय कहां है?
Where's the ticket office?
व्हेअर'स, द टिकट ऑफिस?

छ. या हम लगभग पहुंच गये हैं?
Are we almost there?
आर वी आलमोस्ट देअर?

ज. या आप मेरे लिए यहां इंतजार कर सकते हैं?
Could you wait for me here?
कुड यू वेट फोर मी हिअर?

झ. या आपको रसीद चाहिए?
Would you like a receipt?
वुड यू लाइक अ रिसीट?

ञ. या मुझे रसीद मिल सकती है, कृपया?
Could I have a receipt, please?
कुड आई हैव अ रिसीट, प्लीज?

## Antonyms

| | |
|---|---|
| There-वहां | Here-यहां |
| Thick-मोटा | Thin-पतला |
| Throw-फेंकना | Catch-पकड़ना |
| Tight-सत | Loose-ढीला |
| Tiny-छोटा | Giant-विशाल |

## Word-Power

- Prior-महन्त, पूर्व गामी — Substance-धन, सार
- Congregation- समागम — Adequate- पर्याप्त
- Legislation-कानून — Assume-मानना, अपनाना
- Wright-रचयिता, कारीगर — Precision-यथार्थता, शुद्धता

## English-Hindi Phrases

Cited above- ऊपर वर्णित।

Cease to hold office- पद पर न रहना।

Charge assumption of- कार्यभार ग्रहण।

Charge handed over- कार्यभार सौंप दिया।

Checked and found correct- जांच की और ठीक पाया।

## Synonyms

Wrong- गलत
Incorrect,
Inaccurate,
Mistaken,
Erroneous,
Improper,
Unsuitable

(अगले अंक में जारी)

तितली अपने पैरों से स्वाद का पता लगाती है।

धरती पर जितना भार सारी चींटियों का है, उतना ही सारे मनुष्यों का है।
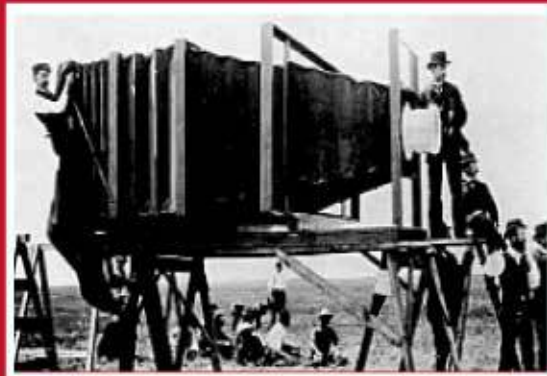
वर्ष 1894 में जो सबसे पहला कैमरा बना था, उससे आपको अपनी फोटो खींचने के लिए उसके सामने 8 घंटे तक बैठना पड़ेगा।

एवरेस्ट से भी ऊंची पर्वत चोटी मोनोकोआ की है। पानी में डूबे इस पर्वत की ऊंचाई 33476 फीट है।

ब्लू व्हेल एक सांस में 2000 गुब्बारों जितनी हवा खींचती है और बाहर निकालती है।

मछलियों की याददाश्त सिर्फ कुछ सैकंड की होती है।

ऑक्टोपस के तीन दिल होते हैं।

पैराशूट की खोज हवाईजहाज से एक सदी पहले हुई थी।

सिर्फ मादा मच्छर ही आपका खून चूसती हैं। नर मच्छर सिर्फ आवाजें करते हैं।

# तथ्य निराले
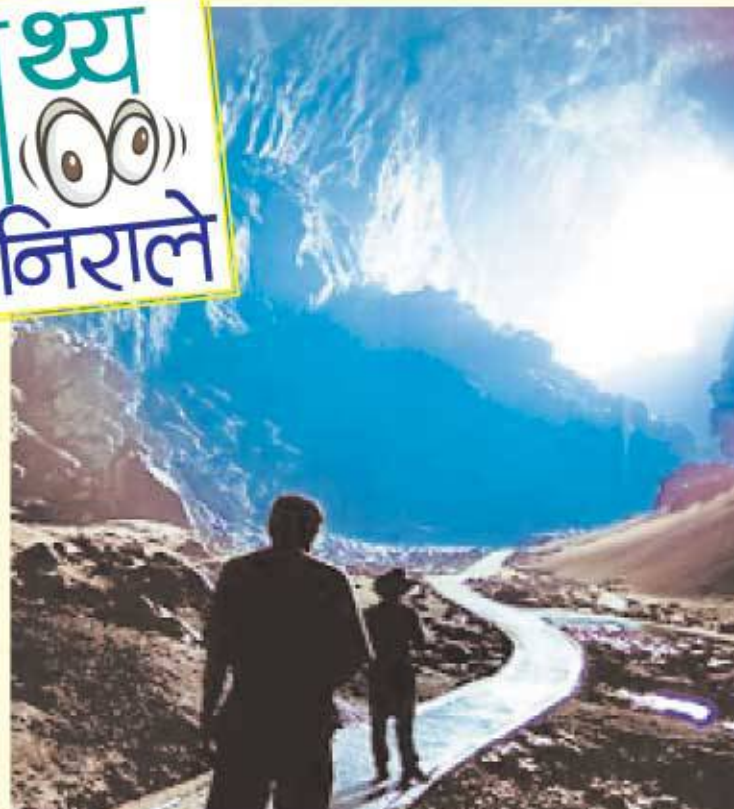
मलेशिया की सारावाक चेंबर दुनिया की सबसे लम्बी गुफा है। यह 701 मीटर लम्बी 400 मीटर चौड़ी व 70 मीटर ऊंची है।

# कटे सिर

-रा. गु.

दादाजी, क्या आप सचमुच स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ लड़े थे?

हाँ बेटा, मैंने तो खुद मैदान ए जंग में दस अंग्रेज सैनिकों के हाथ काट डाले थे, तुम मेरी बहादुरी का अंदाजा लगा सकते हो।

दादाजी आप वाकई बहादुर हैं, लेकिन आपने उन सैनिकों का सामना करते समय हाथ के बजाय सिर क्यों नहीं काटे?

बेटा, उनके सिर तो पहले से ही कटे थे।
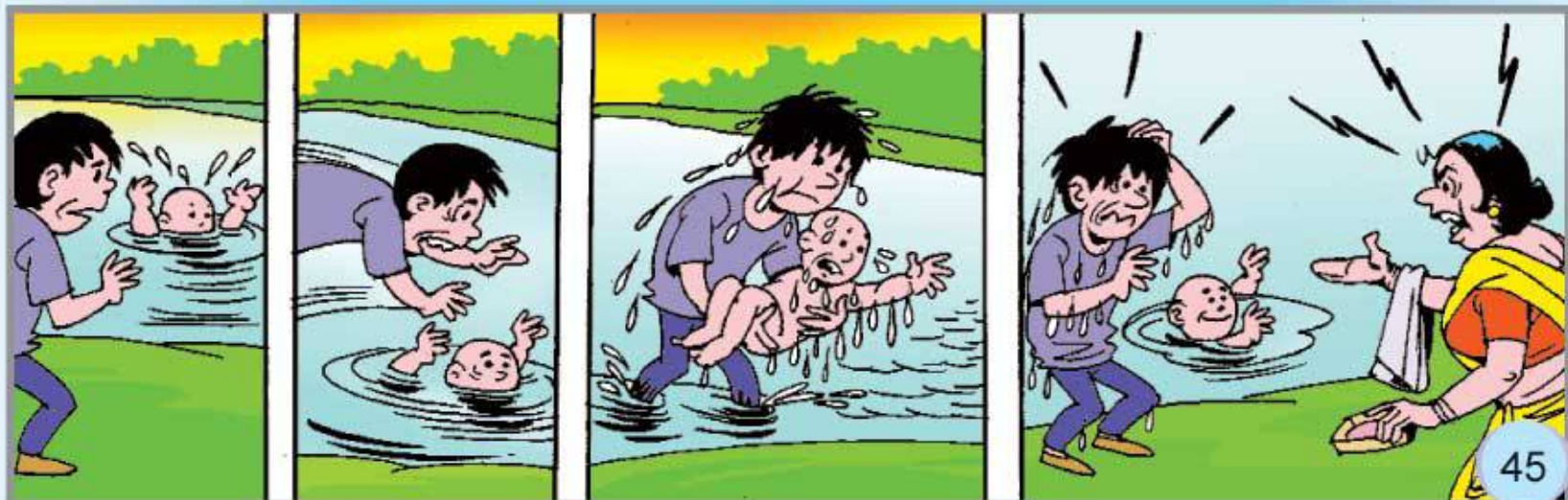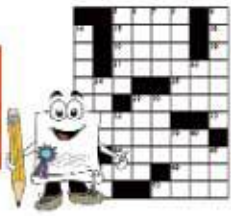
# CrossWord Puzzles
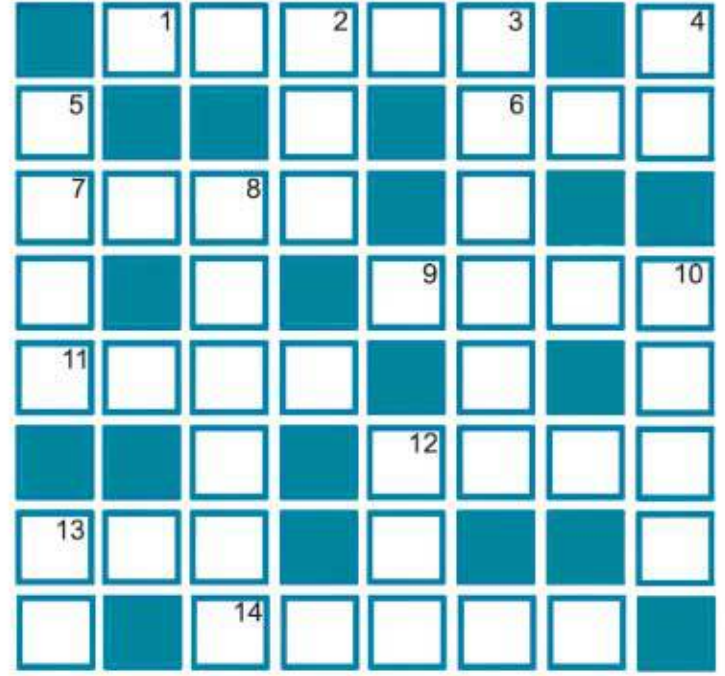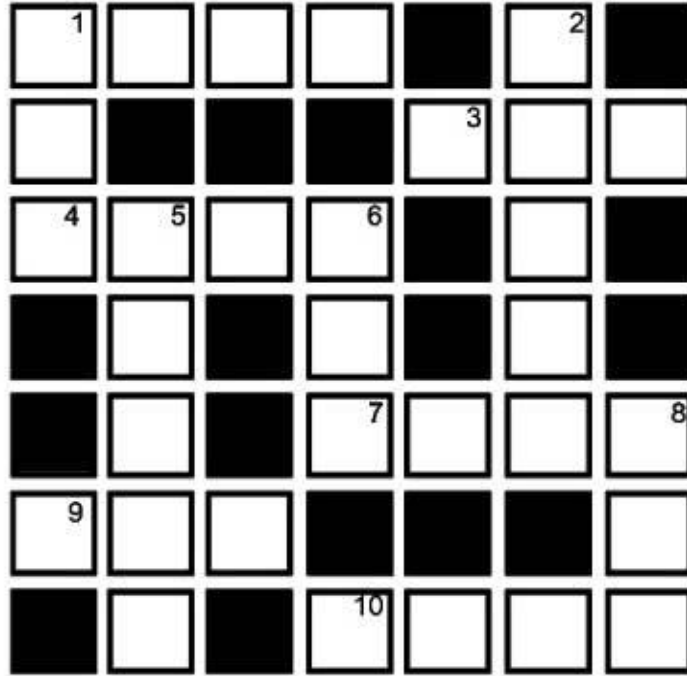
**बाएं से दाएं**

क. अमिताभ बच्चन की एक फिल्म, अंहकार (७)।

प. सबूत, प्रूफ (७)।

ब. असावधानी, बेपरवाही (७)।

स्त्र. योग्यता हासिल करना यह भी कहलाता है (७)।

–. इस श□द का अर्थ फतिंगा और हाथी का बच्चा दोनों ही है (५)।

क. किसी समस्या का हल (७)।

**ऊपर से नीचे**

क. इस फिल्म के मु□य चरित्र का शरीर बाल रहित है, भिन्न (५)।

ख. समान अंतर पर होने वाला (५)।

भ. क्रोध से कड़वी बातें कहना (भ)।

म. कुल समस्त, पूर्ण (५)।

ट. सूर्य, दहन, एक नरक का नाम (५)।

**ACROSS**

1. Metallic sound as that of the latch of a door (5).
6. Abbreviation for united Nations Organization (3).
7. A good prediction or sign (4).
9. The smallest partical of a chemical element that can exist (4).
11. Used to refer to every one of two or more people or things (4).
12. Not under the control of another (4).
13. An animal with long ears related to the horse (3).
14. A thing that happens especially one of importance(5).

**DOWN**

2. A lodging and entertainment place for travellers (3).
3. German civilization and culture (6).
4. Expressing motion in the direction of (2).
5. Expression of choice by means of ballot (4).
8. A government tax on certain commodities made and consumed in the country (6).
10. To come face to face (4).
12. A payment made to a professional person (3).
13. For example, While (2).

Answer

# मक्खी
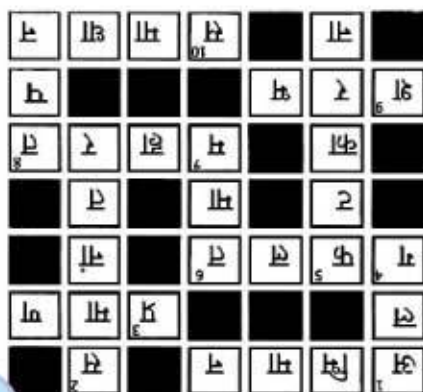
**म□खी** की मौजूदगी इस धरती पर करोड़ों सालों से है। इंसान के साथ अस्तित्व में आयी म□खी आदमी द्वारा पिंड छुड़ाने की लाख कोशिशों के बावजूद भी उसके साथ मौजूद है। कहा जाता है कि शुरुआत में म□खी के दो जोड़ी पंख हुआ करते
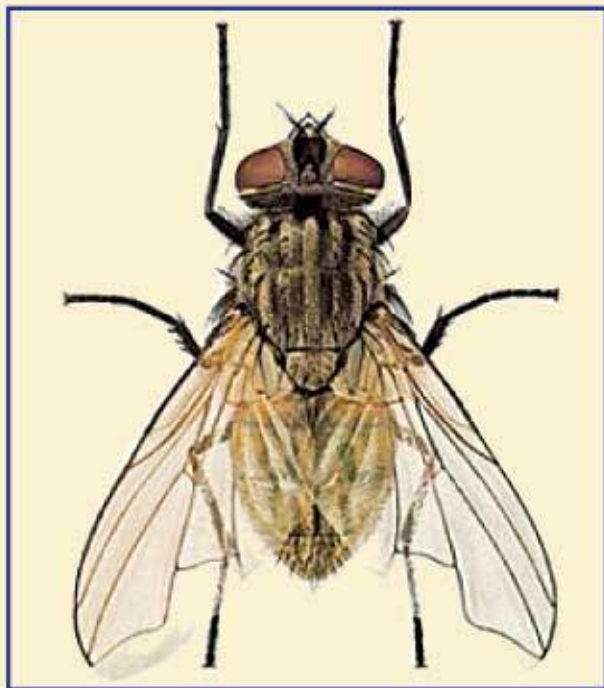
थे। लेकिन अपनी विकास यात्रा के दौरान न जाने कब म□खी ने अपने एक जोड़ी अतिरि□त पंखों से छुटकारा पा लिया और उसकी जगह एंटीना की श□ल के दो अंग विकसित कर लिए।

म□खी का शरीर प्रोटीन व काइटिन जैसे लोचदार त□वों से बना होता है। शारीरिक संरचना की दृष्टि से म□खी का शरीर सिर, छाती और पेट तीनों अंगों में विभाजित होता है। छाती के दोनों तरफ तीन-तीन टांगें होती हैं। इन टांगों के आखिरी सिरे पर स्पंज जैसी गद्दियां होती हैं। इनमें से सदैव एक चिपचिपा पदार्थ निकलता रहता है। म□खी के शरीर के सबसे मह□वपूर्ण और जटिल अंग के रूप में इसकी विशाल आंखों का नाम लिया जा सकता है। प्रत्येक आंख करीब चार हजार लेंसों से बनी होती है और हर लेंस एक अलग दिशा में फोकस करता है। इन्हीं लेंसों के कारण म□खी बड़ी तेजी से दृश्यों का अवलोकन करती है।

वह एक सेकंड में दो सौ से अधिक दृश्य देख सकती है। सभी लेंसों के अलग-अलग दृश्यों को मिलाकर म□खी पूरा दृश्य देख पाती है। इन दो

# सिएरा लियोन

**ब्रिटेन** ने यहां दासों का व्यापार शुरू किया। वर्ष क्त्त में ब्रिटेन ने इसे उपनिवेश बना लिया। सन् क-म्क में स्वतंत्रता मिलने के बाद यहां राजतंत्र की स्थापना हुई। पर यह व्यवस्था वर्ष क-म्त्र तक ही चल सकी, और इसी वर्ष यहां सैनिक शासन की स्थापना हो गई।

सन् क--क में नया संविधान लागू कर बहुदलीय शासन प्रणाली की स्थापना हुई। परन्तु केवल एक वर्ष बाद सन् क--ख में सेना ने फिर से स□ाा पर अधिकार जमा लिया।

**आधिकारिक नाम**- रिप□लिक ऑव सिएरा लियोन। **राजधानी**- फ्री टाउन। **मुद्रा**- लिओन।

**मानक समय**- जी एम टी के अनुरूप।

**भाषा**- अंग्रेजी (आधिकारिक) क्रेओल।

**कुल जनसं□या**- म,क्त्र,म्ब्प

**क्षेत्रफल**- त्त्रक,त्त्रब किलोमीटर।

**स्थिति**- सिएरा लियोन पश्चिमी अफ्रीका में गिनी व लाइबेरिया के मध्य उ□ारी अटलांटिक महासागर के तट पर स्थित है।

**जलवायु**- उष्णकटिबंधीय है।

मानचित्रानुसार यहां का तटीय क्षेत्र संकुचित है। पूर्वी भाग पर्वतीय है।

**प्रमुख नदियां**- सिवा, जोंग, रोकेल।

**सर्वोच्च शिखर**- बिंटीमानी पीक-क,-ब्त मीटर

**प्रमुख बड़े शहर**- फ्री टाउन।

**निर्यात**- हीरा, कोको, कॉफी, मछली। **आयात**- मशीनरी, रसायन, ईंधन। **प्रमुख उद्योग**- फर्नीचर निर्माण, चावल मिलें, ताड़ का तेल निर्माण। **प्रमुख फसलें**- चावल, कॉफी, कोकोआ, कसावा, ताड़। **प्रमुख खनिज**- सोना, हीरा, टिटेनियम अयस्क, बॉ□साइट। **शासन प्रणाली**- बहुदलीय लोकतंत्रात्मक।

**संसद**- नेशनल असे□बली। **राष्ट्रीय ध्वज**- सफेद, नीले व हरे रंग पर आधारित। **स्वतंत्रता दिवस**- त्त्र अप्रेल क-म्क

**प्रमुख धर्म**- मुस्लिम-म प्रतिशत, पारंपरिक धर्मावल□बी-प प्रतिशत। **प्रमुख हवाई अड्डा**- फ्री टाउन स्थित ल्यूंगी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा। **प्रमुख बंदरगाह**- फ्री टाउन,

# रात में फूल मुरझा क्यों जाते हैं?

**आपने** यह तो जरूर देखा होगा कि सुबह सूरज उगने के साथ-साथ अधिकतर फूल खिलना शुरू हो जाते हैं। सूर्यास्त के बाद ये धीरे-धीरे मुरझाने लगते हैं। पर आपने क्या यह कभी यह भी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है?

वास्तव में ऐसे फूलों की पंखुड़ियों में कुछ विशेष प्रकार की कोशिकाएं मौजूद रहती हैं, जो प्रकाश के प्रति बेहद संवदेनशील होती हैं। सूरज ढलने के बाद जब वातावरण में प्रकाश की कमी होने लगती है तो इससे

प्रभावित होकर ऐसी कोशिकाएं अपने अंदर के जल का कुछ भाग त्याग देती हैं। इस स्थिति में ऐसा लगने लगता है, मानो फूल मुरझा गया हो। दूसरी सुबह प्रकाश फैलने के साथ ही यह पंखुड़ियां जल से पुनः भर जाती है। इससे फूल दोबारा खिल उठते हैं। लेकिन इसके अपवादस्वरूप कुछ फूल ऐसे भी होते हैं, जिनमें यह पूरी प्रक्रिया विपरीत रूप में चलती है। इसलिए ये रात्रि में खिलते हैं और दिन में मुरझा जाते हैं।



# यहां है गुरुत्व केन्द्र

**सामग्री**– एक स्केल, पेंसिल और दो बड़े सिक्के।

**शुरू करो**– सबसे पहले तो स्केल के ठीक बीचोंबीच इसके नीचे की ओर से पेंसिल रखो और फिर स्केल के फीट की ऊंचाई से दूसरे वाले सिक्के को स्केल के दूसरी ओर इस तरह से छोड़ो कि यह स्केल पर पेंसिल से करीब तीन इंच की दूरी पर टकराये। इस क्रिया से पहले वाला सिक्का अपनी जगह से उछलेगा। तुम्हें ध्यान देना है कि यह हवा में कितनी ऊंचाई तक उछलता है?

कमाल है

इसके बाद एक बार फिर से
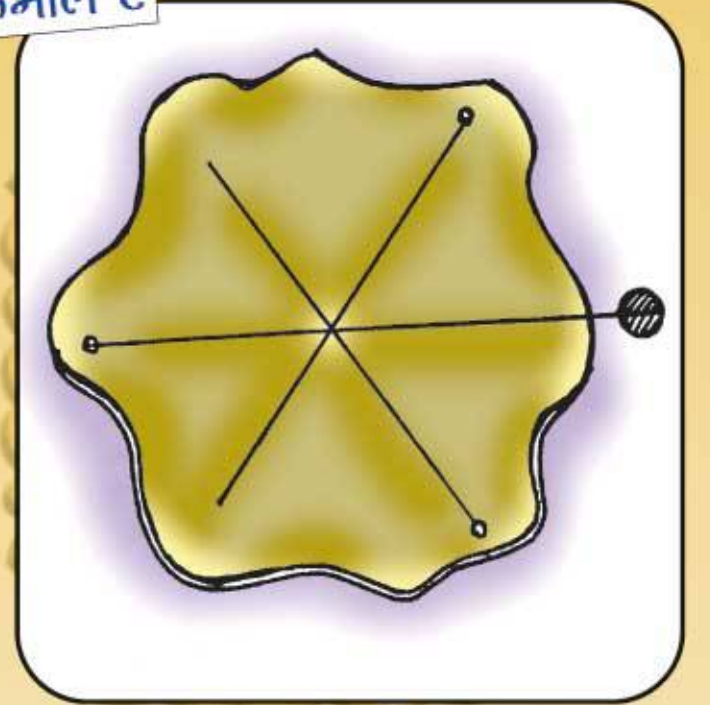
दोहराओ। लेकिन इस बार तुम्हें दूसरे सिक्के को एक फीट ऊंचाई से ही इसी तरह छोड़ना है ताकि यह स्केल के सिरे पर आकर गिरे। अब की बार तुम देखोगे कि पहला सिक्का कहीं ज्यादा ऊंचाई तक उछल जायेगा।

सर्कस के दो जोकर कुछ इसी ट्रिक का प्रयोग करते हुए तुम्हारा मनोरंजन करते हैं। इसमें से एक जोकर सी-सॉ वाले पटरे पर एक ओर आधार से ज्यादा से ज्यादा संभव दूरी पर कूदता है, ताकि पहला वाला अधिकतम ऊंचाई तक उछल सके।

**कैसे होता है यह**– यद्यपि सिक्के के स्केल पर गिरने से दोनों बार स्केल पर एक जैसा ही बल लगता है, क्योंकि हर बार ऊंचाई लगभग वही रखी जाती है। परन्तु दूसरी बार चूंकि बल आधार से अधिक दूरी पर लगता है, इसलिए पहला सिक्का ज्यादा ऊंचा उछल पाता है।

– आइवर

## शब्द युग्म

**कान**– कर्ण
**कानि**– मर्यादा

**केत**– घर
**केतू**– झंडी

**करण**– साधन
**कर्ण**– कान

**परिताप**– दुख
**प्रताप**– पराक्रम

**कंटीली**– कांटेदार
**कटीली**– सुंदर, पैनी

## पर्यायवाची शब्द

**मुख**– वदन, मुंह, आनन, चेहरा
**मछली**– मत्स्य, मीन, झख, मकर
**मदिरा**– सुरा, वारुणी, मद, हाला
**महादेव**– शिव, शम्भू, शंकर, गिरीश
**भैंस**– महिषी, कासर, सैरिभी, लुलापा

काल के गाल में सब चले जाते हैं।
Time devours everything.
कुम्हारी अपने बर्तन सराहती है।
Every potter praises his own pot.
कुत्ते की पूंछ टेढ़ी ही होती है।
Curst cow have short hours.
मधुर बानी, दगाबाज की निशानी।
Too much courtesy, too much craft.
नाचने उठे तो घूंघट कैसा।
He who would catch fish must not mind getting wet.

To cast a chill over- उदासीन भाव दिखलाना।

To change one's mind- नई विधि ग्रहण करना।

To chew the cud- किसी विषय पर विचार करना।

To ring the changes- कार्यक्रम का सब प्रकार से अंत करना।

मई-II, 2014

बालहंस

## अंतर है

Lawyer- वकील
Lair-झूठा आदमी
Lair- मांद, गुफा
Layer- तह, परत, स्तर
Emigration-उत्प्रवास
Immigration-आप्रवास
Interesting-रोचक, दिलचस्प
Interested-दिलचस्पी रखनेवाला

## एक के तीन

Editor-एडिटर -संपादक - सम्पादकः
Copy taster-कॉपी टेस्टर -जांचकर्ता -वीक्षकः
Headline-हैडलाइन -समाचार शीर्ष - मुख्य समाचार, वृत्तशीर्षम्
Date line-डेट लाइन -समाचार तिथि -दिनाङ्क रेखा, तितिस्थलांकः
Proof-Reader-प्रूफरीडर -प्रूफशोधक-ईक्ष्य पत्रवाचकः, ईक्ष्य

## लोकोक्तियां

**प्रभूता पाहि काहि मद नाहिं**– उच्च पद प्राप्त करके किसे घमण्ड नहीं होता।
**बकरे की मां कब तक खैर मनायेगी?**– जिसका कष्ट पाना तय

## उर्दू/ हिन्दी

**खनूर**– पात्र, भाजन, बर्तन
**खद**– कपोल, गाल, रुखसार
**खतिल**– मूर्ख, बेवकूफ, उतावला
**खफर**– लज्जा, लाज, शर्म, देखरेख
**खताकार**– दोषी, अपराधी, पापी, गुनाहगार

## One Word

Eclipse of Moon- **Lunar**
Handwritten book- **Manuscript**
Morning prayer in Church- **Matins**
Animals which give milk- **Mammals**

- जो दिखाई न दे- **अदृश्य।**
- जो कम जानता हो- **अल्पज्ञ।**
- जो कम बोलता हो- **अल्पभाषी।**
- जिसको लांघा न जा सके- **अलंघ्य।**

प्रस्तुतिः किशन शर्मा
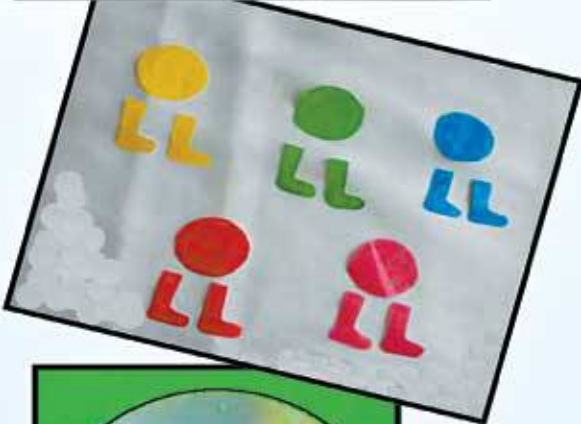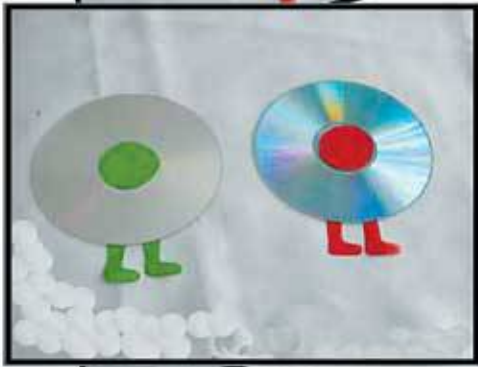
# सी.डी. से कैटरपिलर

## सामग्री

खराब सी.डी., रंगीन क्राफ्ट पेपर, साटन रिबन, काला मार्कर, फेविकोल, कैंची।

## विधि

रंगीन क्राफ्ट पेपर से गोले और पैर काट लें। सभी सी.डी. के बीच में गोले और पैर चिपका दें। आगे वाली सी.डी. की आंखें मार्कर से बना दें। आप चाहे तो मुंह भी मार्कर से बना सकते हैं। साटन रिबन से फुंदने बनाकर ऊपर की ओर चिपका दें। इन सी.डी. को एक-दूसरे से स्पर्श करते हुए चिपका दें। आपको जितना लम्बा कैटरपिलर बनाना है, उतनी ही सी.डी. काम में लें।
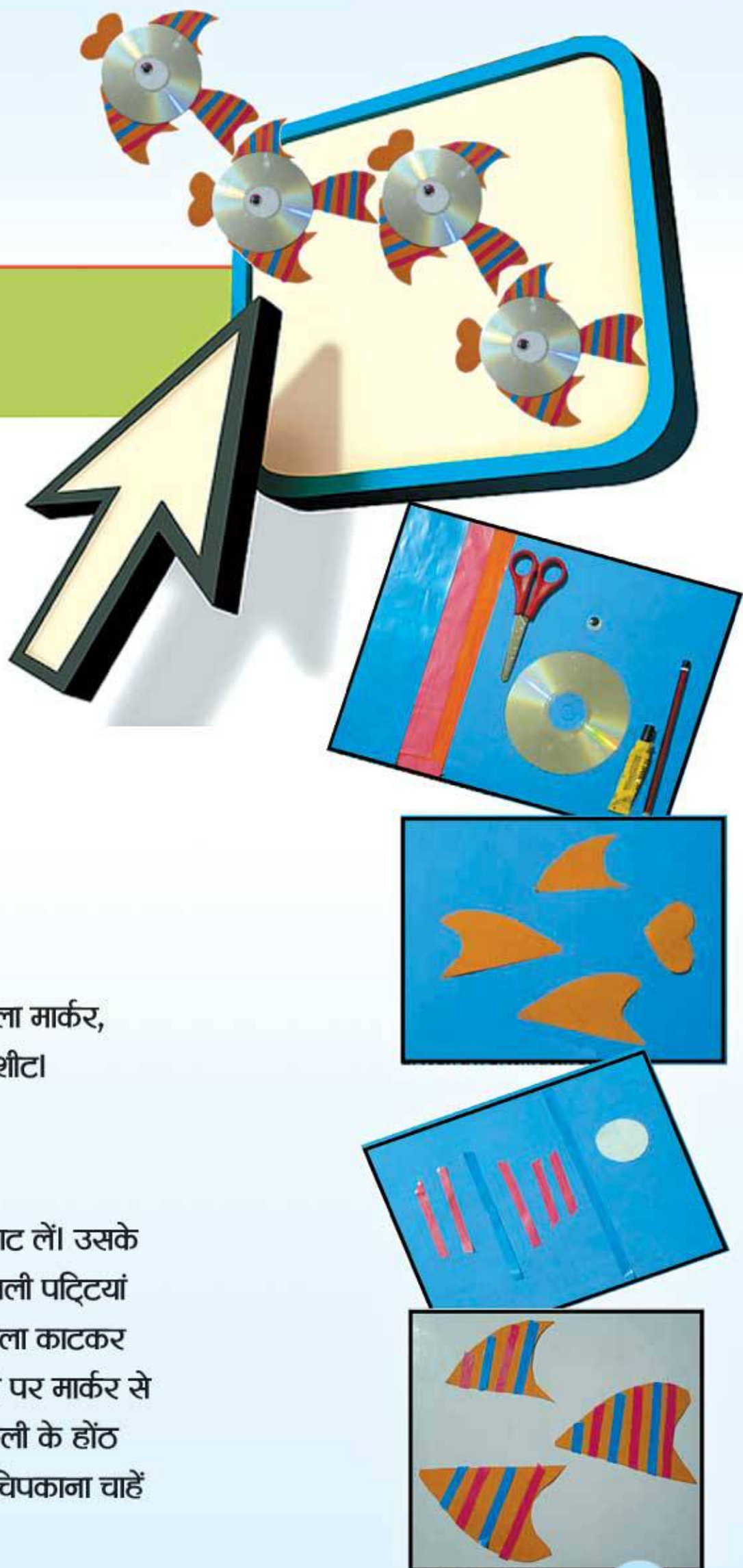
# सी.डी. से फिश

## सामग्री

नीला, लाल, ऑरेंज क्राफ्ट पेपर, काला मार्कर, सी.डी., फेविकोल, कैंची, ड्रॉइंगशीट।

## विधि

ऑरेंज क्राफ्ट पेपर से पूंछ और पंख काट लें। उसके ऊपर नीली-लाल पेपर की पतली-पतली पट्टियां काट कर चिपका दें। ड्रॉइंगशीट का गोला काटकर सी.डी. के बीच में चिपका दें। सफेद गोले पर मार्कर से आंख बना दें। लाल वाले पेपर से मछली के होंठ बनाकर चिपका दें। इन्हें एक दूसरे से चिपकाना चाहें तो चिपका दें।

# माथापच्ची

**A.** चौखानों के आधार पर चित्र बनाओ।

**B.** चित्र के बीच में कौनसा चौकोर टुकड़ा आएगा।
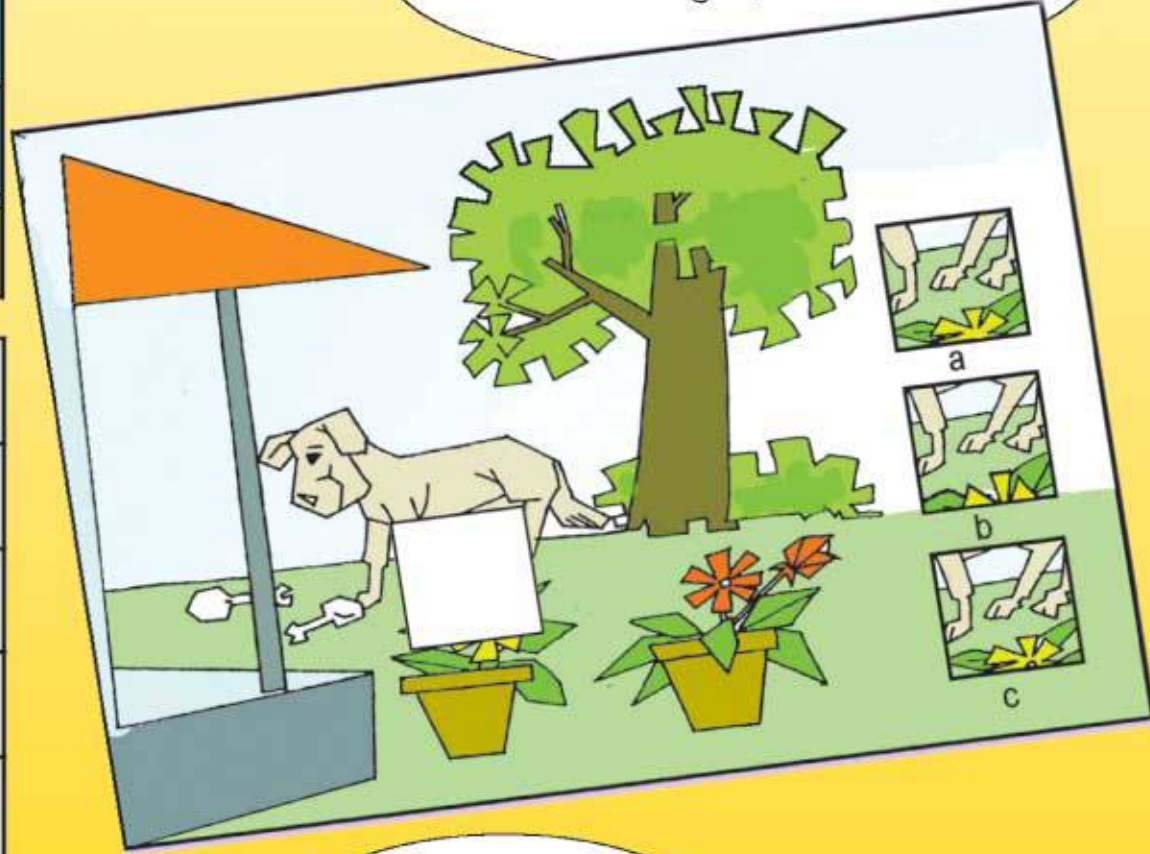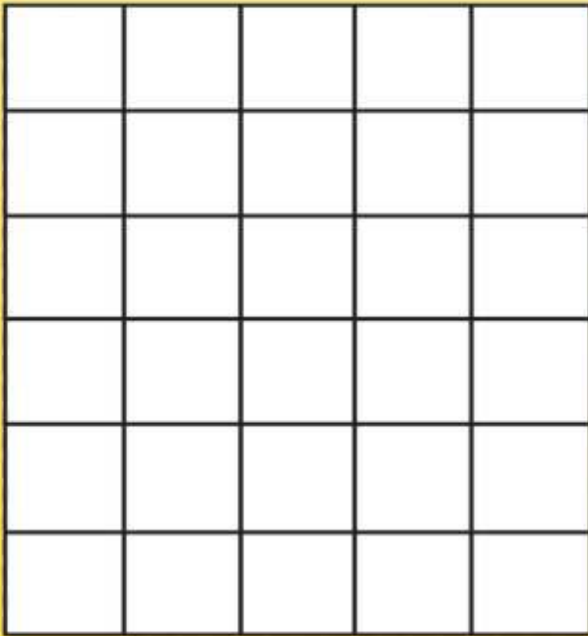
**C.** अन्तर बताओ।

उत्तर

C.
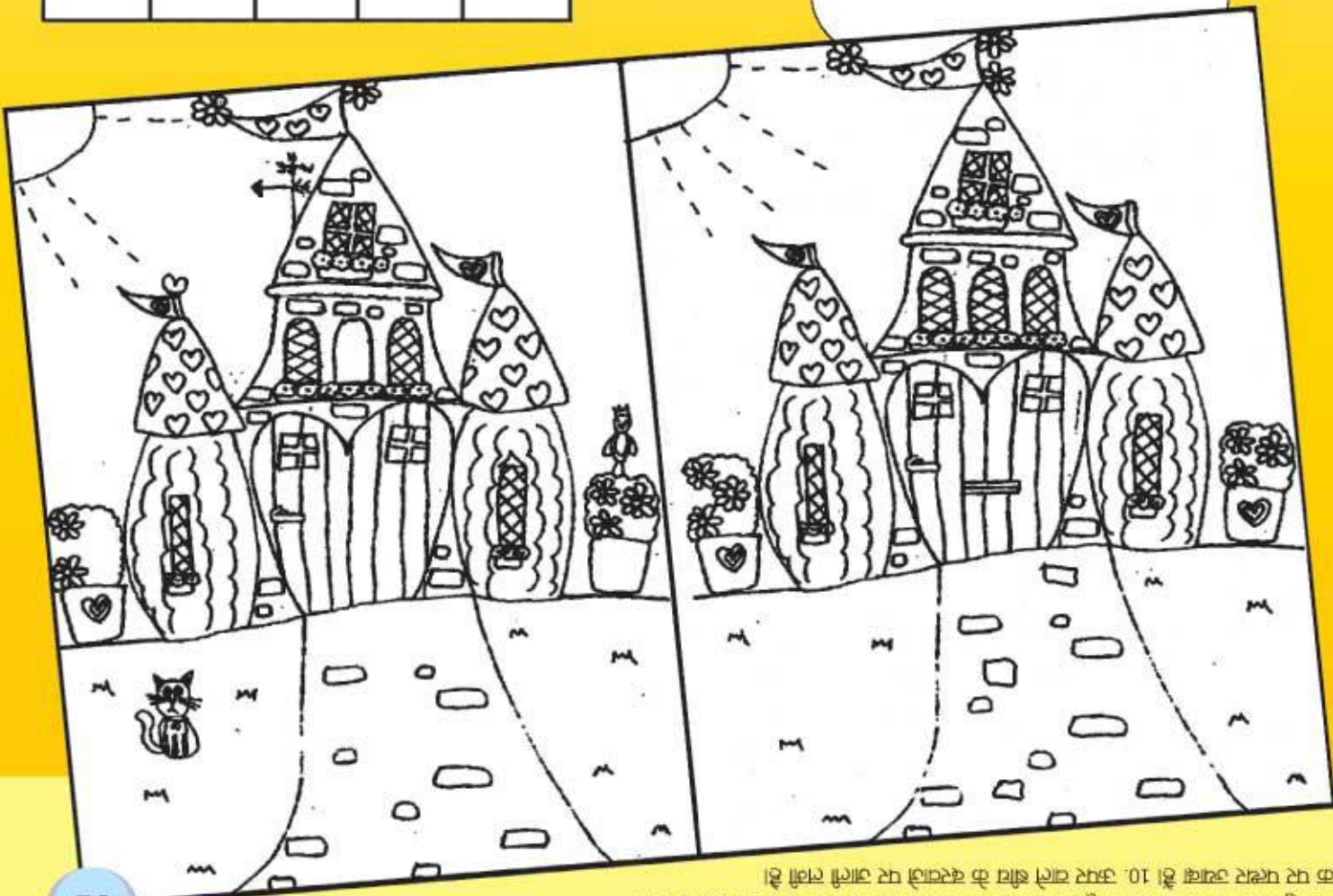
1. सूरज बड़ा है। 2. सूरज में किरणें ज्यादा हैं। 3. बड़े वाले झण्डे में तीन फूल हैं। 4. छोटे वाले झण्डे के ऊपर पान बना है। 5. मुख्य दरवाजे पर मुंह बना है। 6. गमले में फूल ज्यादा हैं। 7. एक गमले के ऊपर कोई नहीं है। 8. लॉन में बिल्ली बैठी है। 9. सड़क पर पत्थर ज्यादा हैं। 10. ऊपर वाले बीच के दरवाजे पर जाली लगी है।

D. गुणा करने पर कौनसी दो संख्याओं का उत्तर समान है।

F. ऊपर वाले चित्र के जोड़े में नीचे वाले चित्र छिपे हैं। लेकिन एक चीज ऐसी है, जिसका जोड़ा नहीं है। वो क्या है? ढूंढ़ कर बताओ।

G. लड़की को सही जगह पर पहुंचाइये।

E. स्टेप बाय स्टेप चित्र बनाओ।

B. दो, D. 3, 4, F. चम्मच,
G. दो वाले रास्ते से।
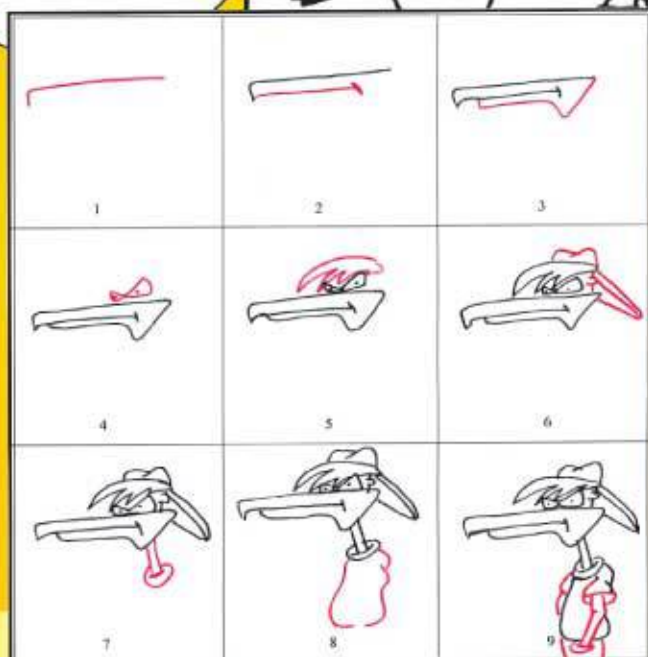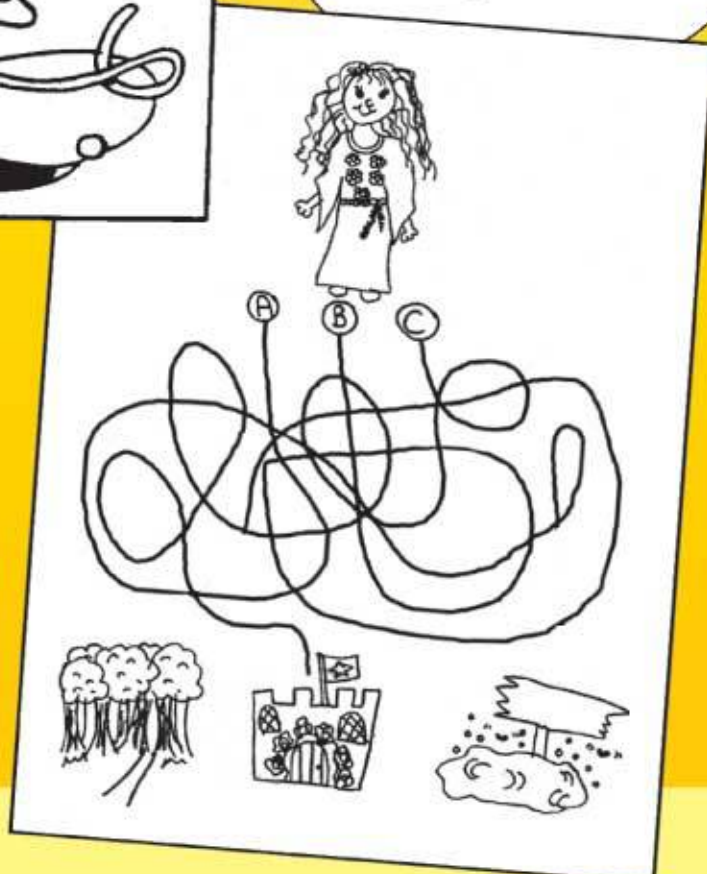
**सोनाली विश्वास**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-कर□मर (उ.प्र.)
रुचि-पढ़ना, डांसिंग।

**रोहनी**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-सूरजपुर (उ.प्र.)
रुचि-पढ़ना, पेंटिंग।

**ऋषि प्रजापति**
उम्र- 𝟖 वर्ष
स्थान-धूमनगंज (उ.प्र.)
रुचि-शतरंग खेलना।

**हिमांशु खत्री**
उम्र- स्त्र वर्ष
स्थान-सांचौर (राज.)
रुचि-खेलना, पढ़ना।

**प्रतिज्ञा श्रीवास्तव**
उम्र- - वर्ष
स्थान-सलेमपुर (उ.प्र.)
रुचि-लिखना,पढ़ना।

**अश्वनी कुमार**
उम्र- क्प वर्ष
स्थान-सीतामढ़ी (बिहार)
रुचि-पढ़ना, सिंगिंग।

**हर्षवर्द्धन बड़गूजर**
उम्र- ब वर्ष
स्थान-बीकानेर (राज.)
रुचि-टी.वी. देखना,पढ़ना।

**दिव्या गौड़**
उम्र- क्क वर्ष
स्थान-अलवर (राज.)
रुचि-पढ़ना, सेवा।

**लक्ष्य त्रिवेदी**
उम्र- क्क वर्ष
स्थान-पाली (राज.)
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**दीपेन्द्र गुर्जर**
उम्र- क्७ वर्ष
स्थान-झाला की चौकी (राज.)
रुचि-पढ़ना, क्रिकेट।

**अक्षत सिंघल**
उम्र- ꣷ वर्ष
स्थान-उदयपुर (राज.)
रुचि-स्केटिंग, ड्रॉइंग।

**काव्या जैमन**
उम्र- प वर्ष
स्थान-जयपुर (राज.)
रुचि-खेलना, टी.वी.।

**संतोष कुमार**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-वाराणसी (उ.प्र.)
रुचि-खेलना, कैरम।

**आदित्य आनंद**
उम्र- क्७ वर्ष
स्थान-सादात (उ.प्र.)
रुचि-क्रिकेट, पढ़ना।

**चेतन शर्मा**
उम्र- क्प वर्ष
स्थान-खगड़िया
रुचि-पढ़ना, क्रिकेट।

**फालतु मीना**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-लोरवाड़ा (राज.)
रुचि-पेंटिंग,पढ़ना।

# कुनबा विशाल

**मिजोरम** में रहने वाले भारतीय नागरिक जिओना चाना के परिवार में उनके अलावा उनकी प- पत्नियां, क्ख्र नाती-पोते बच्चे, क्ष बहुएं हैं। यह परिवार मिजोरम के ब□तवांग में रहता है। जिस मकान में यह परिवार रहता है, वह चार मंजिला है। इसमें क कमरे हैं।

म्त्र वर्षीय जिओना के परिवार में एक ही रसोईघर से सभी सदस्यों का खाना बनता है। उनकी सबसे बड़ी पत्नी जाथिआंगी के निर्देशन में बाकी सदस्य खाना बनाने में मदद करते हैं। लगभग म किलो स□जी और क किलो चावल की रोजाना उनकी रसोई में खपत होती है। शाम के भोजन में प चिकन, म किलो आलू और क किलो चावल पकते हैं। जिओना चाना ने क्स्र वर्ष की आयु में विवाह किया था। इसके बाद उसने एक साल में ही दस महिलाओं से विवाह कर लिया और बाद में धीरे-धीरे बढ़कर यह सं□या प- पर पहुंच गई। जिओना का कहना है कि मेरा परिवार पूरी तरह सेना के अनुशासन की तरह रहता है।

## चार टन चॉकलेट चट कर गयी

**इंग्लैण्ड** में एक महिला हैं पेगी ग्रिफिथ्स। हाल ही में उसने अपना सौवां जन्मदिन मनाया है। पेगी की खासियत यह है कि वह अब भी ह□ते में करीब प चॉकलेट बार खा जाती हैं। एक अनुमान के अनुसार एबोटसम में रहने वाली पेगी, अब तक करीब स्त्र हजार चॉकलेट खा चुकी हैं। उनकी म- साल की पुत्री इलीन ऑसबर्न का कहना कि उसकी मां वर्ष क-प के दशक में मिठाई की एक दुकान चलाती थी। लेकिन दुकान बंद हो गई, □योंकि दुकान का सारा प्रॉफिट मां मिठाई खाने में उड़ा देती थी। हमारी नानी ने हमें बताया था कि मिठाई, हमारी मां को नुकसान करेगी जबकि चॉकलेट उसके लिए फायदेमंद रहेगी। बस तभी से पेगी को चॉकलेट खाने की लत पड़

## कार है या चमत्कार

**कारें** तो आपने बहुत देखी होंगी। लेकिन इस कार को देखकर आपके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहेगा। करीब क फीट लंबी और ख- पहियों वाली वाली इस कार को लीमो को जे ओहरबर्ग बरबोक केलिफोर्निया द्वारा डिजाइन किया गया। यह इस प्रकार बनाई गई है कि इसे वन पीस की तरह या बीच में से मोड़कर चलाया जा सके । इस कार में अनेक खूबियां हैं। जिनमें डाइविंग बोर्ड और किंग साइज वाटर बैड यु□त तरणताल भी शामिल है। यह विशेषकर फिल्मों और प्रदर्शनियों के लिए बनाई गई है। इसमें हेलीकॉप्टर उतरने का स्थान भी है।

# ये हैं सबसे खतरनाक

**स्टीव बैकशाल जाने-माने वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ और एनिमल प्लेनेट की सीरीज डेडली 60 के प्रस्तोता हैं। अपनी अब तक की सर्वाधिक खतरनाक सीरिज में उनका मकसद सबसे बड़े, तेज और सबसे खतरनाक जानवरों को तलाशना है। स्टीव ने धरती पर मौजूद कुछ सबसे खतरनाक जानवर चुने हैं।**

**ग्रेट व्हाइट शार्क** दुनिया का सबसे बड़ा शिकारी जानवर है। दो टन वजन और दांत के साथ ही करीब ख फीट की औसत लंबाई वाली इस भीमकाय मछली की भूख भी उसके शरीर जितनी बड़ी होती है। अपने भारी-भरकम आकार के बावजूद फुर्ती के मामले में यह सबसे तेजी से तैरने वाले तैराकों से भी पांच गुना तेजी से तैर सकती है।

**सॉल्टवाटर क्रोकोडाइल** दुनिया का सबसे बड़ा सरीसृप है और धरती पर मौजूद सबसे खतरनाक शिकारियों में उसकी

गिनती की जाती है। ये बेहतरीन तैराक होते हैं और समुद्र से बहुत दूर-दराज के इलाकों में पाए जाते हैं।

**हनी बैजर-** हनी बैजर का हनी जैसी मीठी चीज से दूर-दूर तक कोई स□बन्ध नहीं है। राटेल के भी नाम से लोकप्रिय हनी बैजर वीजल परिवार के वॉल्वरिंस की तरह ही होते हैं। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि हनी बैजर किसी से भी नहीं डरते और इनमें शेर भी शामिल हैं।

**जापानी हॉरनेट** को जापानी जियांट हॉरनेट के नाम से जाना जाता है। इस जानवर की वजह से जापान में हर साल अनेक मौतें होती हैं। इस एशियाई जियांट हॉरनेट के एक हमले में पूर्ण विकसित आदमी को मारने की श□त होती है। इसके जहर में साइटोलिटीक पेप्टाइड्स होता है जो कोशिकाओं को छोटे टुकड़े में बदल देता है।

**हमबोल्ड सि□वड** दुनिया में मौजूद तीन प्रकार की सि□वड प्रजातियों में सबसे छोटे हैं और ये म-स्र फीट लंबे होते हैं। वजन क पाउंड (ब्-प किलोग्राम) होता है। ये वाकई खतरनाक होते हैं, यही वजह है कि उन्हें 'रेड डेविल्स' के नाम से पुकारा जाता है (उनके लाल रंग की वजह से)।

***पिरान्हा** मछली कुछ मिनटों में ही एक गाय का मांस उधेड़ सकती है।*

***टाइगर** जमीन पर रहने वाले मांसाहारी पशुओं में से पोलर बीयर और ब्राउन बीयर के बाद तीसरा सबसे बड़ा जानवर है।*

***ध्रुवीय भालू** (पोलर बीयर) का स्थान आर्कटिक की खाद्य शृंखला में सबसे ऊपर है। और ऐसा सिर्फ उनके आकार की वजह से नहीं होता है। एक पोलर बीयर अकेला ख्भ पाउंड के दरियाई घोड़े पर हमला करता है और ख इंच के पंजों से ही उसे मार सकता है।*

**लियोपार्ड सील** दुनिया में पाई जाने वाली सील की ऐलीफैंट सील के बाद दूसरी सबसे लंबी प्रजाति है। □योंकि कुछ मादा लियोपार्ड सील फ.भ मीटर तक लंबी होती हैं। अपने मजबूत और लंबे जबड़े, तलवार जैसे पैने दांतों की मदद से लियोपार्ड सील सदर्न फर सील और पेंग्विन जैसे अपने पसंदीदा भोजन के मांस को तार-तार कर देता है।

**टाइगर शार्क–** विशेष प्रकार के टाइगर शार्क तटीय इलाकों और खुले समुद्री जल में आसानी से रह सकते हैं। आमतौर पर ये समुद्री जल के तल से ╖ फीट भीतर तक पाए जाते हैं। दिन के व□त ये जानवर सबसे अधिक गहराइयों तक चले जाते हैं और शाम के शिकार के समय फिर से तली की ओर वापस लौट आते हैं।

नीचे दिये गए सवाल का सही जवाब दें, और एनिमल प्लेनेट से इनाम पाएं।

- **सबसे बड़ा सरीसृप कौन है ?**
  - (A) कोमोडो ड्रैगन
  - (B) सॉल्ट वॉटर क्रोकोडाइल
  - (C) एनाकोंडा
  - (D) टैरेंटुलास

Name........................................................................

Address....................................................................

City.......................Pin..................Phone.........................

Date of birth................/................/ ..............................

Email id......................................................................

*एंट्री फॉर्म को पूरा भरें और इसे इस पते पर भेज दें–*

**Animal Planet- Balhans Contest**
P.O. Box No. 10534, New Delhi- 110 067

*धरती पर पाए जाने वाले सबसे खतरनाक हिंस्र पशुओं के बारे में और जानकारी के लिए सिर्फ एनिमल प्लेनेट पर शनिवार और रविवार रात -.फ बजे देखें, 'डैडली ▭ ऑन ए मिशन।'*

पिछली बार के सवाल, 'चिड़ियाओं को क्या खाना पसंद नहीं होता' का सही जवाब है – मूंगफली के दाने



**शर्तें :** कृपया प्रवेश पत्र में अपने विवरण भरें, सही जवाबों पर निशान लगाएं और ऊपर दिये गए पते पर सामान्य डाक से भेजें। इस प्रतियोगिता के छपने के दस दिन के अंदर डिस्कवरी क□यूनिकेशन्स इंडिया (डीसीआईएन) द्वारा प्राप्त सही एंट्रियों में से विजेताओं का चुनाव किया जाएगा। यदि कई एंट्री सही निकलती हैं, तो डीसीआईएन किन्हीं पांच प्रतियोगियों को रैंडम आधार पर चुनेगा और उन्हें विजेता घोषित करेगा। विजेताओं और प्रतियोगिता के नियमों के सिलसिले में डीसीआईएन का फैसला अंतिम और बाध्य होगा। इस प्रतियोगिता से जुड़े सारे नियम जानने के लिए कृपया देखें।

www.discoverychannel.co.in/animalplanet-balhans contest

# रंग दे
## प्रतियोगिता परिणाम

### अप्रेल प्रथम-2014

क. **दिव्य पुरोहित,** इंदौर (म.प्र.)
ख **गर्विता पामेचा,** उदयपुर (राज.)
फ. **विवान टेलर्स,** खैरवाड़ा, उदयपुर (राज.)
ब **वरुण शर्मा,** जयपुर (राज.)
भ. **ओजस्वी किंजल,** मुरादाबाद (उ.प्र.)
म. **रित्विक रंजन,** उदयपुर (राज.)
स्र. **मेहर कौर,** दिल्ली
ट. **प्रभलीन कौर,** कटनी (म.प्र.)
–. **जितेन्द्र सैनी,** बूंदी (राज.)

## सराहनीय प्रयास

क. **कंचन पुरोहित,** बैतूल (म.प्र.)
ख **तेजस्विनी शु□ला,** फुलवारिया (उ.प्र.)
फ. **नव्या, तलवंडी,** कोटा (राज.)
ब **आदित्य आकाश,** मधुबनी (बिहार)
भ. **ममांश सोनी,** बारां (राज.)
म. **मुकेश जैन,** गाजियाबाद (उ.प्र.)
स्र. **रुद्राक्ष अग्निहोत्री,** कानपुर (उ.प्र.)
ट **नेहा,** गोलूवाला, हनुमानगढ़ (राज.)
–. **युगांश नेहरा,** जोधपुर (राज.)
क. **नवनीत कुमार,** औरंगाबाद (बिहार)
कक **तन्वी राठी,** इन्दौर (म.प्र.)
कख **आयुष कुशवाहा,** गोंडा (उ.प्र.)
कफ **मोहित अग्रवाल,** जालौन (उ.प्र.)
कब **प्रियांशु,** बरारीपुरा, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
कभ. **मोनिका काला,** श्रीमाधोपुर (राज.)

### ज्ञान प्रतियोगिता- 347 का परिणाम

क. **खुशबू पारीक,** कुचामन सिटी, नागौर (राज.)
ख **गुनगुन,** तिजारा, अलवर (राज.)
फ. **अनुराधा शर्मा,** जयपुर (राज.)
ब **भाविनी पाण्डेय,** लखनऊ (उ.प्र.)
भ. **सांक्षी बंसल,** बजारिया, सवाईमाधोपुर (राज.)
म. **ममता शर्मा,** कांवट, सीकर (राज.)
स्र. **लवली बिस्सा,** बीकानेर (राज.)
ट **उमंग पाल,** लखनऊ (उ.प्र.)
–. **शाश्वत शु□ल,** रायबरेली (उ.प्र.)
क. **अक्षत दिनेश दीक्षित,** राजकोट (गुजरात)

**ज्ञान प्रतियोगिता– 347 का सही हल**

ऋतिक रोशन, सलमान खान, संजय द□, अजय देवगन
क. बांग्लादेश
ख विराट कोहली
फ. अफगास्तिान
ब अफगास्तिान
भ. भारत

*(विजेताओं को सौ-सौ रुपए पुरस्कारस्वरूप भेजे जा रहे हैं)*

# ज्ञान प्रतियोगिता

## 350 परखो ज्ञान, पाओ इनाम

**क. नि□न में से कौनसा शहर मध्य प्रदेश में स्थित है ?**

(अ) धौलपुर
(ब) भरतपुर
(स) उज्जैन

**ख दिल्ली का पुराना नाम □या है ?**

(अ) राजपूताना
(ब) कुरुक्षेत्र
(स) इंद्रप्रस्थ

**प. श्वसन क्रिया में हम कौनसी गैस लेते हैं ?**

(अ) हीलियम
(ब) ऑ□सीजन
(स) नाइट्रोजन

**ब. चारमीनार किस शहर में है ?**

(अ) लखनऊ
(ब) हैदराबाद
(स) ग्वालियर

**भ. पणजी किस प्रदेश की राजधानी है ?**

(अ) दिसपुर
(ब) गोवा
(स) कोहिमा

इन लोकप्रिय कॉमिक करे□टर्स को पहचानिये।

..........................................

..........................................

..........................................

..........................................

**ज्ञान प्रतियोगिता- 350**

नाम..........................................
पता..........................................
..........पोस्ट..........................................
जिला..........................................
राज्य..........................................

**जीतो 1000 रुपए के नकद पुरस्कार**

चयनित दस प्रविष्टियों को क- क रुपए (प्रत्येक को सौ रुपए) भेजे जाएंगे।

हमारा पता बालहंस, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, 5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राजस्थान)

# रंग दे

**1000 रुपए के पुरस्कार**
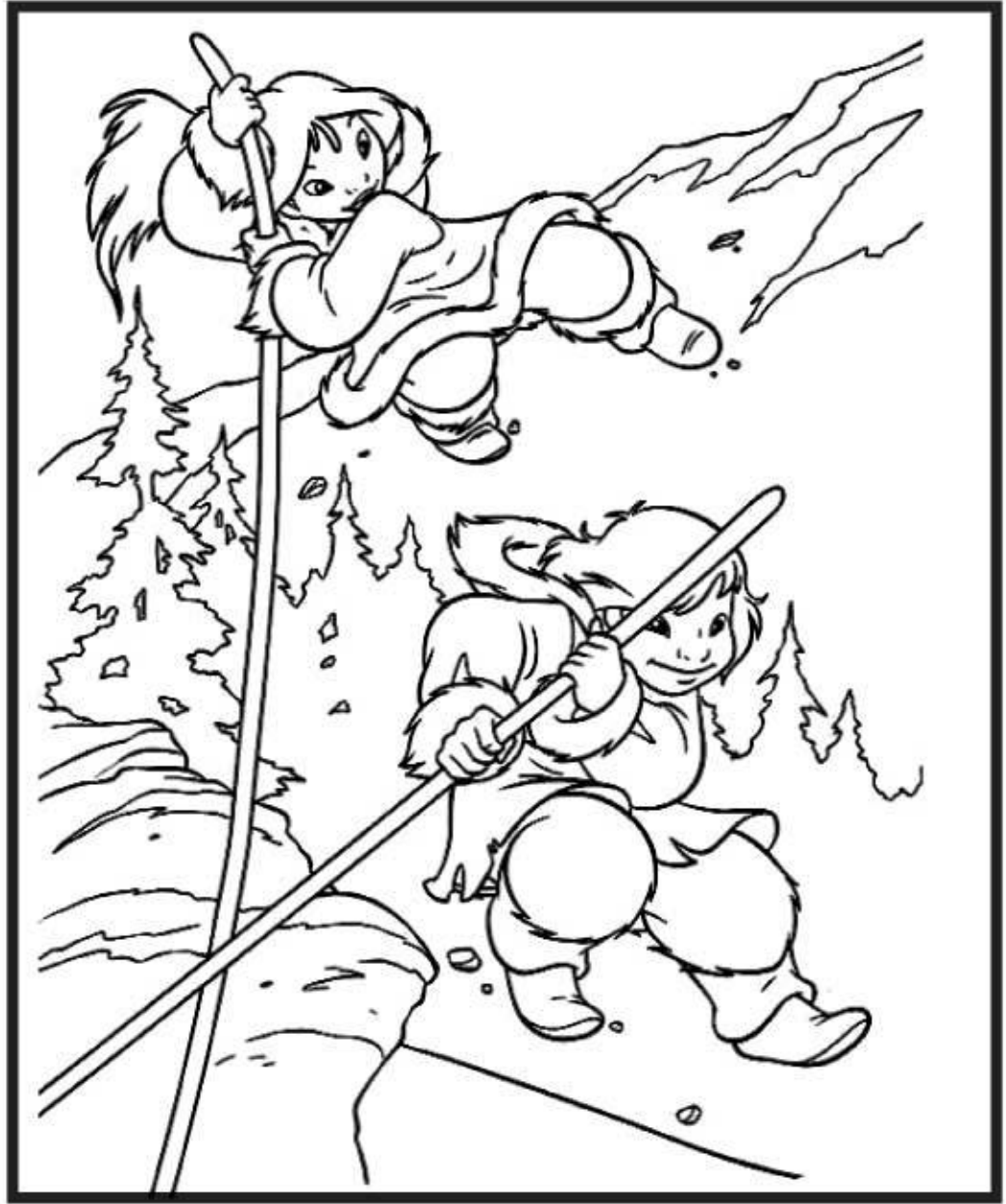
दोस्तो, इस चित्र में आपको भरने हैं, प्यारे-प्यारे रंग। चटख रंगों को भर कर, चित्र को काटकर (बालहंस कार्यालय, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, 5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर) में दिनांक 25 मई, 2014 तक भिजवाना है। अगर आपकी उम्र 15 वर्ष या इससे कम है, तभी आप इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। अपना नाम, आयु व पूरा पता साफ-साफ लिखना। सिर्फ डाक से भेजी गई प्रविष्टियां ही स्वीकार की जाएंगी। चयनित दस प्रविष्टियों को 100-100 रुपए भेजे जाएंगे।

नाम......................................................

पता......................................................

..........................................................

..........................................................

पोस्ट....................................................

जिला व राज्य........................................

# ढूंढो तो...

नीचे दी गई आकृतियों को ऊपर वाले चित्र में ढूंढ़ना है। इतना करके चित्र में रंग भी तो भरो, देखो कितना मजा आता है!

**The following objects are hidden in this picture:** ☐ battery, ☐ smoke alarm, ☐ candle, ☐ flashlight, ☐ pencil, ☐ sailboat, ☐ banana, ☐ golf club, ☐ bell, ☐ sock, ☐ ruler, ☐ ring, ☐ cup, and a ☐ button!

# ई-मैन - 20

प्रस्तुतिः **उन्नी कृष्णन किडनगूर**

ब्रह्मा उत्तर दे पाते उससे पहले...

पीछे...

नहीं!

आह!

व्हेल ने पहले ही अपना मुंह बंद कर लिया था।

ई-मैन को कोई डर नहीं था।

मुझे इसके दांतों से दूर रहना चाहिए।
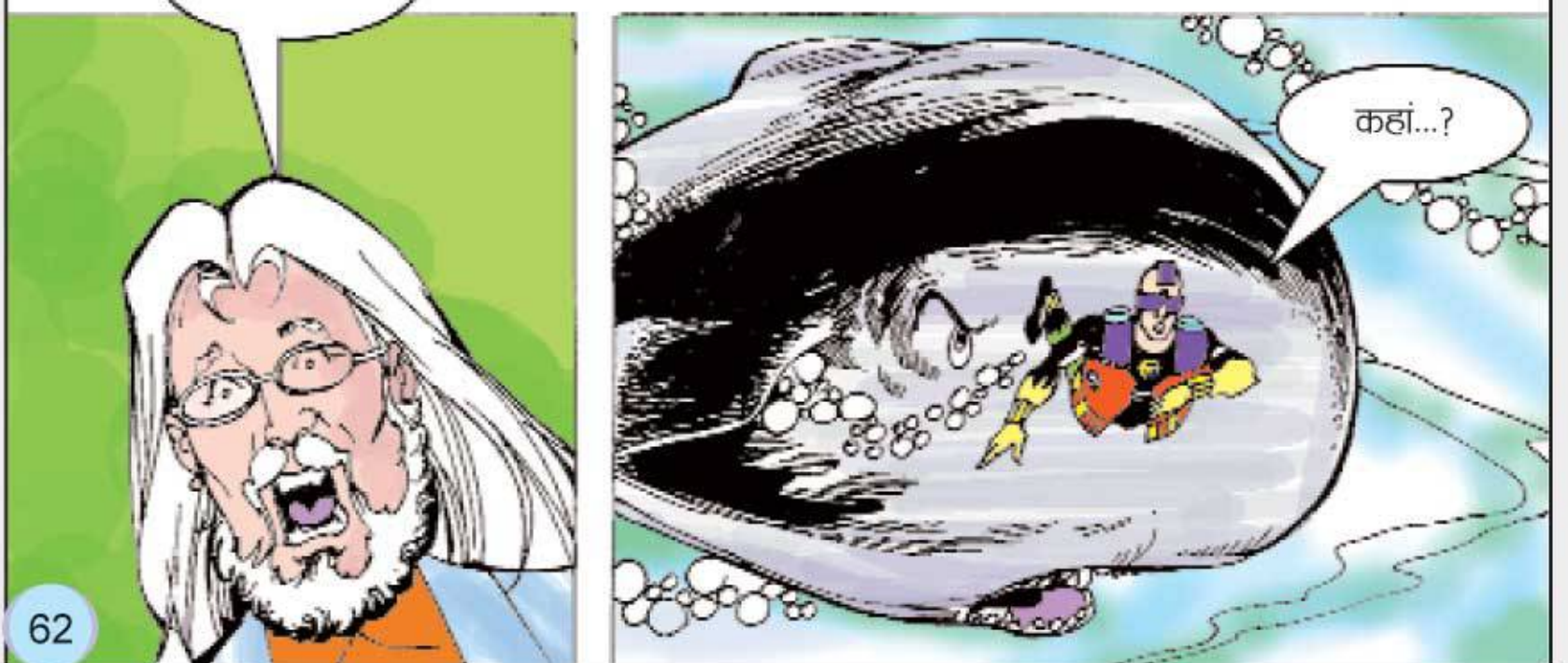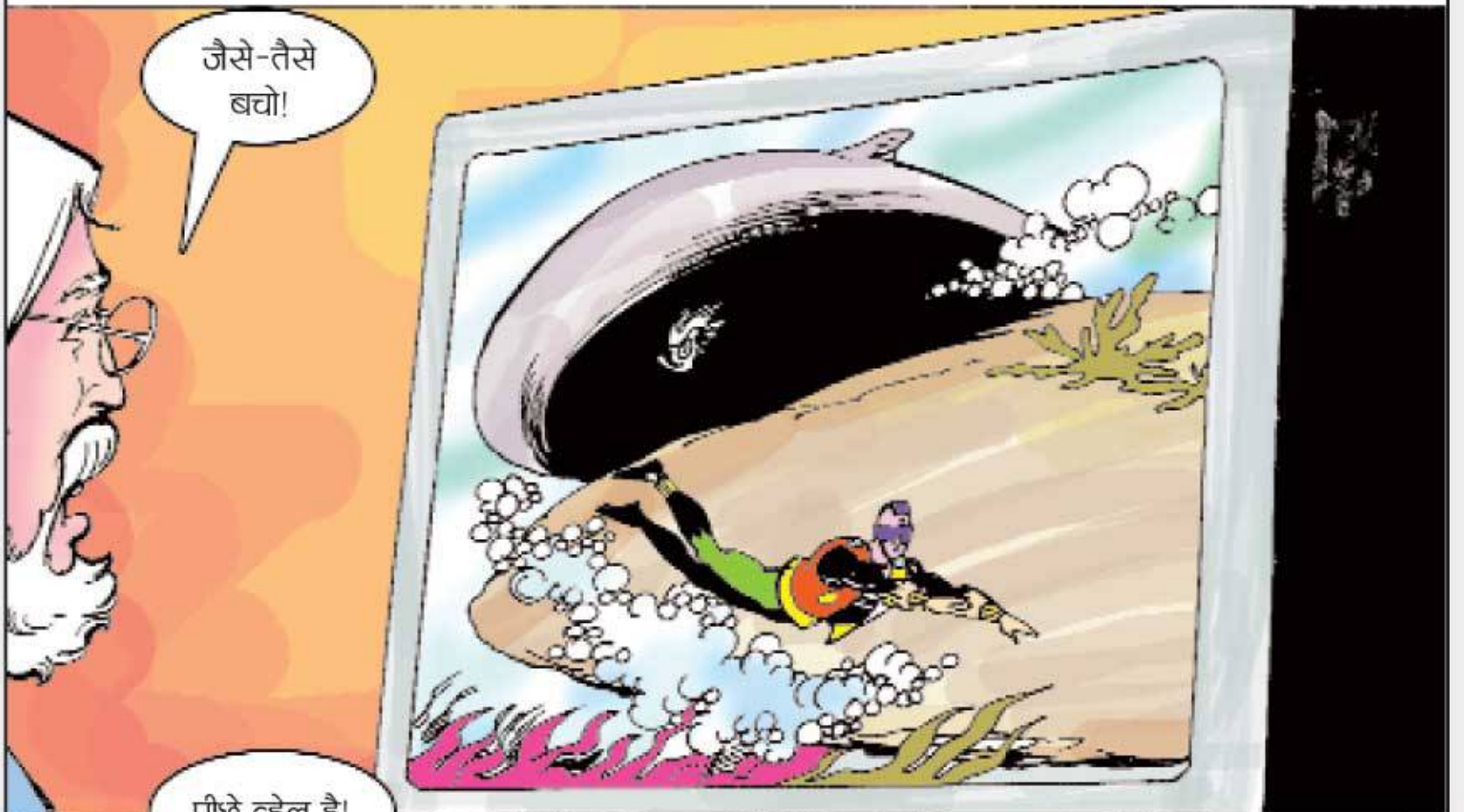
इसके लिए...

...और ई-मैन ने व्हेल के एक फौलादी घूंसा मारा!

व्हेल दर्द से छटपटाने लगी।

कहीं देर तो नहीं
हो गयी!
लेकिन...
शार्क...!
ई-मैन के हाथ पर एक लेजर
पंजा प्रकट हुआ!
E
(अगले अंक में जारी)
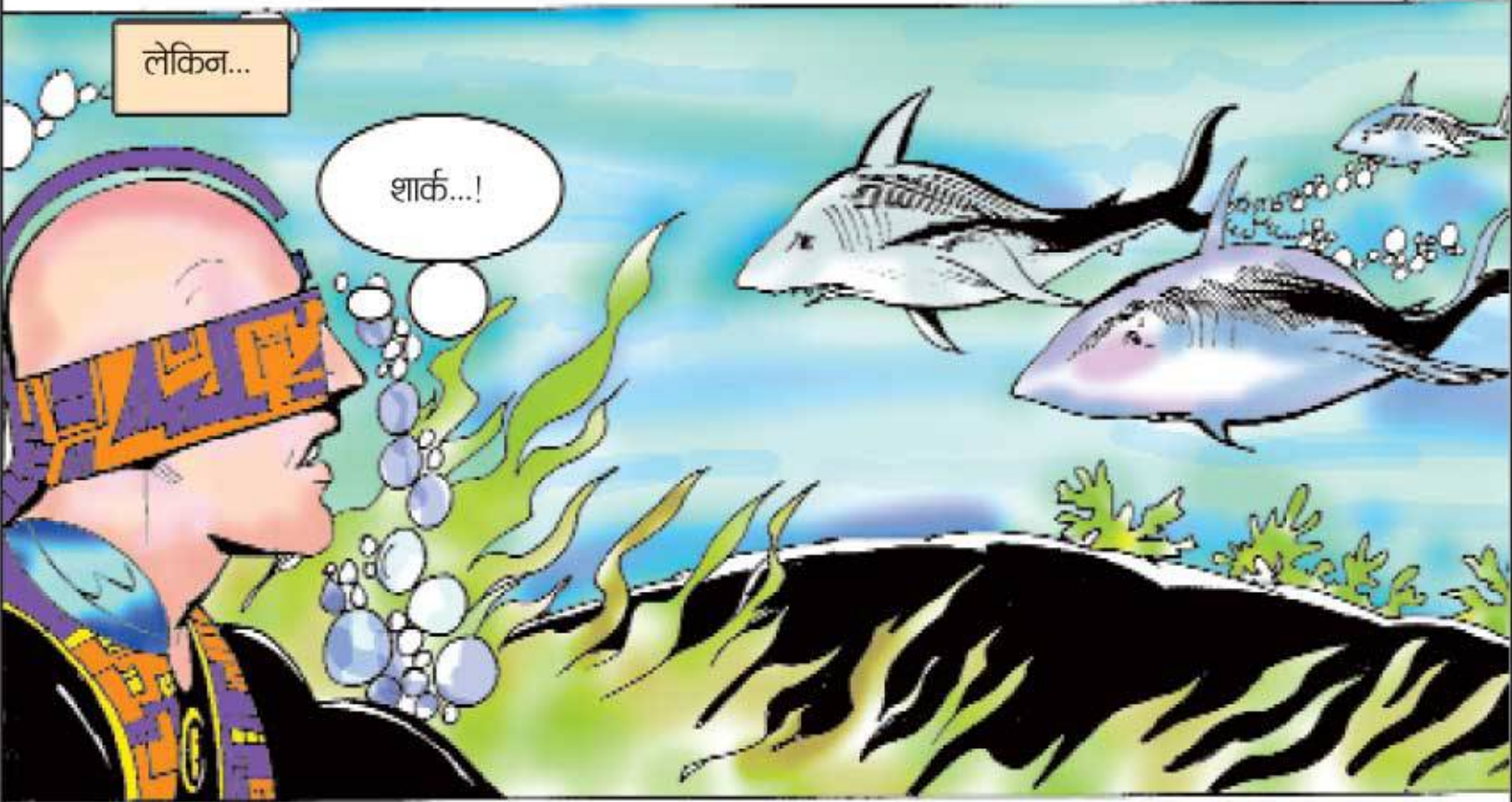
**मैं** बालहंस का नियमित पाठक हूं। इसका हर अंक अनोखा-मजेदार होता है। कहानियां शिक्षाप्रद-प्रेरक होती हैं। बालहंस के हर अंक को मैंने संभाल कर रखा है। गुदगुदी, चित्रकथाएं, देश-दुनिया की जानकारियों सहित सभी कुछ अच्छा लगता है। इस अंक में मुझे अनोखे पर्यटन स्थल, विश्व के देशों की नेशनल डिशेज की जानकारी बहुत रोचक लगी। एफिल टावर, चीन की दीवार की जानकारी ज्ञानवर्द्धक थी। लेह, कन्नूर, सोलन, बोधगया, नेशनल पा□र्स सहित अन्य जगहों की जानकारी अच्छी लगी।

**– अभिनव शर्मा,** अलवर (राज.)

बालहंस का मैं नियमित पाठक हूं। इसका कोई भी अंक मिस नहीं करता। मैं इसे एक बार में ही पूरा पढ़ लेता हूं। हम ज्ञान प्रतियोगिता में भी भाग लेते हैं। इसको हमारे सारे घर वाले भी पढ़ते हैं। मैं इसे मेरे दोस्तों को भी पढ़ने के लिए देता हूं।

## कैसा लगा

सामान्य ज्ञान, नॉलेज बैंक, तथ्य निराले, गुदगुदी, कहानियां अच्छे लगते हैं।

**– चमन सिंह थापा,** धर्मपुर, देहरादून (उ□राखंड)

*पन्द्रह दिन से बालहंस आती*  
*हमें यह लंबा इंतजार करवाती।*  
*अगर यह साप्ताहिक हो जाए*  
*बच्चे-बड़े सभी खुश हो जाएं।*  
*सभी के मन को मोह लेती*  
*जानकारियां हमें खूब देती।*  
*बच्चों की है बालहंस जान*  
*पत्रिकाओं में इसकी है शान।*  
*प्रतियोगिताएं भी यह खूब देती*  
*पाने के लिए बच्चों में होड़ होती।*

**– देवांशु बोहरा,** भोपाल (म.प्र.)

## इनके पत्र भी मिले

- **धीरज कुमार गुप्ता,** नालंदा (बिहार)
- **देवांशी स□सेना,** जयपुर (राज.)
- **महावीर सिंह चौधरी,** छापरीखुर्द (राज.)
- **दशरथ पंवार,** बाड़मेर (राज.)
- **कृष्ण कुमार वर्मा,** ब□सर (बिहार)
- **शुभम् नन्दवाना,** चि□ौड़गढ़ (राज.)
- **चिन्मय शाही,** अलवर (राज.)
- **गौरव आनंद,** भीलवाड़ा (राज.)
- **राजकुमार शर्मा,** उ□म नगर, नई दिल्ली
- **रूपांजी,** ताजपुर (बिहार)
- **सुशान्त कुमार सिन्हा,** गिद्धौर (बिहार)
- **आकाश वर्मा,** देवरिया (उ.प्र.)
- **सुनील भादू,** बाड़मेर (राज.)

# जंगल टून

यस सर! यही था वो बदमाश, जो मेरी जेब काटने की कोशिश कर रहा था, जिसमें मेरा बच्चा था।

मोमबत्ती की लंबाई इतनी होगी तभी फूंक मारी जा सकेगी। हेप्पी बर्थडे...!

क्या करें, मगरमच्छ के दांत निकालने के लिये इतनी सुरक्षा तो करनी ही पड़ती है।
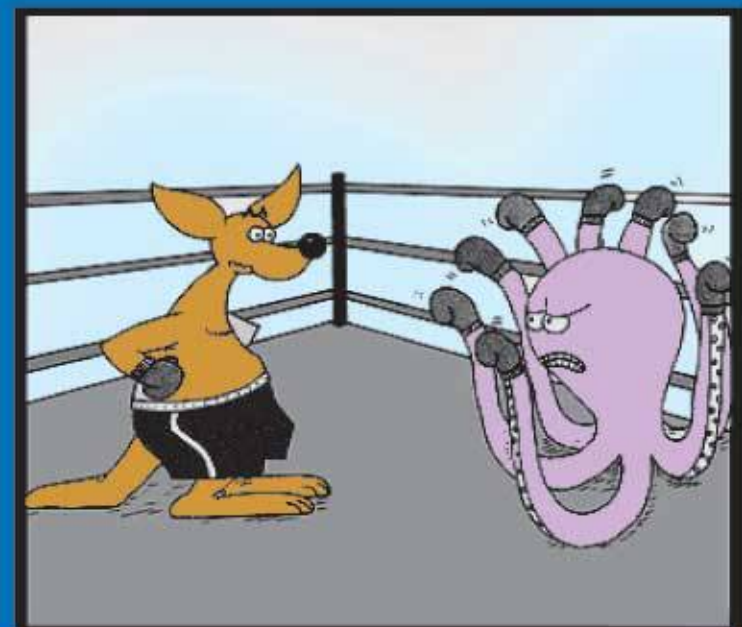
फालतू ही इससे मुक्केबाजी का चैलेंज लिया। अब इससे कैसे लड़ें!
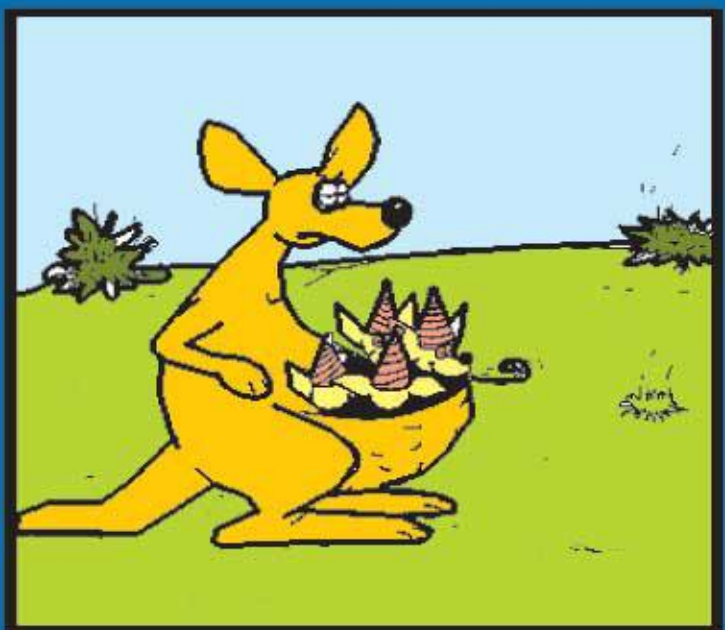
अब समझ आया कि कंगारुओं को बर्थडे पार्टी से इतनी चिढ़ क्यों होती है!

इन्होंने तो पूंछ को टेनिस का रैकेट बना डाला।



स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशकः रघुनाथ सिंह द्वारा राजस्थान पत्रिका प्रा. लि., केसरगढ़, जे.एल.एन. मार्ग/5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राज.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं. 73-74, रीको औद्योगिक क्षेत्र, झोटवाड़ा, जयपुर (राज.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. 46292/86, सम्पादकः आनन्द प्रकाश जोशी
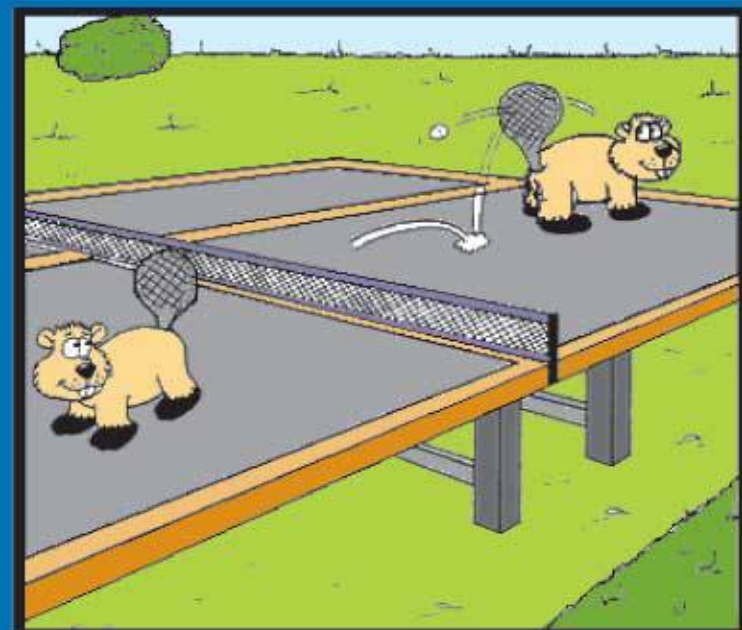
PARLE
NEW
HIDE & SEEK
Fab!
Strawberry
Choco Chip Cookie
Cream Sandwich
THREE MORE
EXCITING FLAVOURS
VANILLA
CHOCOLATE
ORANGE